■ आषाढ़ कृष्णा - 13 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 324 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 23-06-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी : योगी आदित्यनाथ

6 आर्थिक महाशक्ति बनने के लिए ज़रूरी है रेअर अर्थ में आत्मनिर्भरता

7 'आमी डाकिनी' में अपने किरदार के लिए राची शर्मा ने ली श्रद्धा कपूर से प्रेरणा

फर्स्ट टेक

ईरान के परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमला 'गैर जिम्मेदाराना' : रूस

मॉस्को/भाषा। ईरान के तीन परमाणु प्रतिष्ठानों पर अमेरिकी हमले को रूस ने ''गैर-जिम्मेदाराना'' करार देते हुए रविवार को इसकी कड़ी निंदा की और कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय कानून, संयुक्त राष्ट्र घोषणा पत्र तथा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों का ''घोर उल्लंघन'' है। अमेरिका ने इजराइल के समर्थन में शनिवार-रविवार की दरमियानी रात ईरान के तीन प्रमुख परमाणु स्थलों फोर्दो, नतांज और इस्फहान पर बमबारी की। रूसी विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''किसी संप्रभु देश पर मिसाइल और बम से हमला करने का निर्णय गैर-जिम्मेदाराना है, भले ही इसके लिए कोई भी दलील दी जाए। यह अंतरराष्ट्रीय कानून, संयुक्त राष्ट्र घोषणा पत्र और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों का घोर उल्लंघन है, जिसमें पहले ही ऐसी कार्रवाइयों को स्पष्ट रूप से अस्वीकार्य बताया गया है।''

बंधक बनाए गए नेपाल के 32 युवकों को बचाया गया, तीन गिरफ्तार

रुद्रपुर/भाषा। उत्तराखंड के उधमसिंह नगर जिले में पुलिस ने नौकरी का झांसा देकर नेपाल से यहां लाकर कथित तौर पर बंधक बनाकर रखे गए तीन नाबालिग लड़कों सहित 32 नेपाली युवकों को सुरक्षित बचा लिया। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने इस संबंध में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उधमसिंह नगर जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) मणिकांत मिश्रा ने यहां बताया कि जिले के काशीपुर क्षेत्र से मुक्त कराए गए लोगों को नेपाल दूतावास के अधिकारियों के हवाले कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि नई दिल्ली स्थित नेपाल दूतावास के नवीन जोशी द्वारा बृहस्पतिवार को यहां इस संबंध में दी गयी सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गयी।

सीरियाई चर्च में आत्मघाती हमला

दमिश्क (सीरिया)/एपी। सीरिया में रविवार को एक आत्मघाती हमलावर ने लोगों से भरे एक चर्च के अंदर खुद को उड़ा लिया। सरकारी टेलीविजन और युद्ध निगरानी संस्था ने यह जानकारी दी। दमिश्क के बाहरी इलाके में स्थित द्वेइला में विस्फोट उस समय हुआ जब लोग मार एलियास चर्च के अंदर प्रार्थना कर रहे थे। ब्रिटेन स्थित युद्ध निगरानी संस्था 'सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स' का कहना है कि 30 लोग घायल हुए और मारे गए, लेकिन सटीक संख्या स्पष्ट नहीं है। स्थानीय मीडिया ने बताया कि हताहतों में बच्चे भी शामिल हैं।

इजराइल और ईरान के बीच जारी युद्ध में अमेरिका भी कूदा

तीन ईरानी परमाणु केंद्रों पर अमेरिका ने किए हमले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तेल अवीव/एपी। इजराइल और ईरान के बीच जारी युद्ध में अब अमेरिका भी कूद पड़ा है। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को रोकने के मकसद से इजराइल की ओर से शुरू किए गए हमलों को मजबूती प्रदान करते हुए अमेरिका ने रविवार तड़के तीन ईरानी परमाणु केंद्रों पर हमले किए।

अमेरिका ने परमाणु प्रतिष्ठानों को निशाना बनाते हुए बंकर बम भी गिराए। इस पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए ईरान ने कहा कि अमेरिका ने ''हद पार कर दी है।''

ईरान की जवाबी कार्रवाई की धमकी के बीच व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष छिड़ने की आशंका है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 'व्हाइट हाउस' (अमेरिका के राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) से राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा कि ईरान के प्रमुख परमाणु केंद्रों को ''पूरी तरह से नष्ट कर दिया गया है।''

'अमेरिकन स्टील्थ बॉम्बर' और 30,000 पाउंड वजनी 'बंकर-बस्टर बम जीबीयू-57' ने जमीन के अंदर गहरे में स्थापित ईरानी परमाणु केंद्रों को नष्ट कर दिया।

'एसोसिएटेड प्रेस' (एपी) ने अमेरिकी हमले के बाद ली गई उपग्रह तस्वीरों का विश्लेषण किया है। इन तस्वीरों में फोर्दो परमाणु केंद्र के प्रवेश द्वारों को नुकसान पहुंचा नजर आ रहा है और हवा में हल्के भूरे रंग का धुआं छाया हुआ नजर आ रहा है। 'प्लैनेट लैब्स पीबीसी' की तस्वीरों में पर्वतीय क्षेत्र को भी नुकसान पहुंचा दिख रहा है।

अमेरिका ने सारी हदें पार कर दी : ईरान

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने कहा कि कूटनीति का दौर बीत गया और उनके देश को आत्मरक्षा का अधिकार है। उन्होंने तुर्किये में प्रेस वार्ता के दौरान कहा, ''अमेरिका में युद्धोन्मादी, अराजक प्रशासन इस आक्रामक कृत्य के खतरनाक और दूरगामी प्रभावों के लिए पूरी तरह से जिम्मेदार है।'' अरागची ने कहा, ''अमेरिका ने सारी हदें पार कर दी हैं और कल रात जो हुआ वह सबसे खतरनाक था। कल रात को उन्होंने (अमेरिका) परमाणु केंद्रों पर हमला करके सारी हदें पार कर दीं।'' उन्होंने कहा कि वह तत्काल रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मिलने के लिए मॉस्को रवाना होंगे क्योंकि अमेरिका इजराइल के साथ क्षेत्रीय युद्ध में कूद गया है।

■ **ईरान और संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था ने कहा कि हमलों के बाद विकिरण के कोई संकेत नहीं है।**

व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष की आशंकाओं के बीच, ट्रंप प्रशासन ने स्पष्ट संदेश दिया कि वह ईरान के साथ कूटनीतिक वार्ता फिर से शुरू करना चाहता है। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने संवाददाताओं से कहा कि अमेरिका ईरान के साथ ''युद्ध नहीं चाहता।'' हालांकि, तेहरान ने कहा कि कूटनीति का समय बीत चुका है और उसे आत्मरक्षा का अधिकार है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पहले चेतावनी दी थी कि अगर तेहरान ने अमेरिकी सेना के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की तो और हमले होंगे।

ईरान की परमाणु एजेंसी ने रविवार को पुष्टि की कि उसके फोर्दो, इस्फहान और नतांज परमाणु केन्द्रों पर हमले हुए हैं। संगठन ने अपने बयान में कहा कि ईरान का परमाणु ऊर्जा संगठन राष्ट्र को आश्वासन देता है कि अपने दुश्मनों की बुरी साजिशों के बावजूद वह अपने हजारों क्रांतिकारी और प्रतिबद्ध वैज्ञानिकों एवं विशेषज्ञों के प्रयासों से उठ खड़ा होगा।

ईरान और संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था ने कहा कि हमलों के बाद विकिरण के कोई संकेत नहीं है। 'एसोसिएटेड प्रेस' (एपी) ने अमेरिकी हमले के बाद ली गई उपग्रह तस्वीरों का विश्लेषण किया है। इन तस्वीरों में फोर्दो परमाणु केंद्र के प्रवेश द्वारों को नुकसान पहुंचा नजर आ रहा है और हवा में हल्के भूरे रंग का धुआं छाया हुआ नजर आ रहा है।

दुनिया के लिए ऐतिहासिक क्षण : ट्रंप

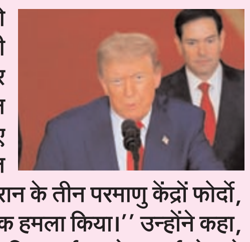

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हमलों की घोषणा की। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी 'इरना' ने अपनी खबर में देश के फोर्दो, इस्फहान और नतांज परमाणु केंद्रों को निशाना बनाकर किए गए हमलों की पुष्टि की। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा, ''हमने ईरान के तीन परमाणु केंद्रों फोर्दो, इस्फहान और नतांज पर सफलतापूर्वक हमला किया।'' उन्होंने कहा, ''हमले को अंजाम देने के बाद सभी विमान ईरान के हवाई क्षेत्र से बाहर आ गए हैं।'' ट्रंप ने बाद में पोस्ट में लिखा, ''यह अमेरिका, इजराइल और दुनिया के लिए ऐतिहासिक क्षण है। ईरान को अब इस युद्ध को समाप्त करने के लिए सहमत होना चाहिए। धन्यवाद!''

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान पर हमले करने के अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फैसले के लिए उनकी सराहना की है। नेतन्याहू ने एक वीडियो संदेश में ट्रंप से कहा, ''ईरान के परमाणु प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने का आपका साहसिक निर्णय इतिहास बदल देगा...।''

मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति पेजेशकियान से कहा

शांति और मानवता के पक्ष में है भारत

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान से बातचीत की तथा ईरान एवं इजराइल के बीच संघर्ष को लेकर भारत की ओर से ''गहरी चिंता'' जतायी और तनाव को ''संवाद एवं कूटनीति'' के माध्यम से तत्काल कम करने की अपील की। फोन पेजेशकियान ने किया था। दोनों नेताओं के बीच यह बातचीत ईरान के तीन परमाणु प्रतिष्ठानों फोर्दो, नतांज और इस्फहान पर अमेरिका द्वारा बमबारी किए जाने के कुछ ही घंटे बाद हुई। मोदी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि उन्होंने हाल में तनाव बढ़ने पर ''गहरी चिंता'' जतायी और इस बात पर जोर दिया कि क्षेत्रीय शांति की शीघ्र बहाली वार्ता और कूटनीति से ही हो सकती है। मोदी ने कहा, ''हमने मौजूदा स्थिति पर विस्तार से चर्चा की। हाल में तनाव बढ़ने पर गहरी चिंता जतायी।'' उन्होंने कहा, ''हमने तनाव तत्काल कम करने की अपनी अपील दोहरायी तथा यह भी कि क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा और स्थिरता बहाली संवाद और कूटनीति के जरिये ही हो सकती है।''

अमेरिकी हमलों के बाद ईरान की मिसाइलों से तेल अवीव में भारी तबाही, कुछ लोग घायल

तेल अवीव/एपी। अमेरिका द्वारा ईरान के तीन परमाणु केंद्रों पर हमला किए जाने के कुछ ही घंटों बाद ईरान ने रविवार को इजराइल की ओर 40 से अधिक मिसाइल दागीं, जिसमें 23 लोग घायल हो गए और तीन शहरों में अपार्टमेंट वाली इमारतें तथा कई घर नष्ट हो गए।

तेल अवीव में एक जगह विस्फोट में एक बहुमंजिला आवासीय इमारत नष्ट हो गई और सैकड़ों मीटर के दायरे में कई अन्य इमारतों को नुकसान पहुंचा जिनमें एक नर्सिंग होम भी शामिल है।

घटनास्थल पर सहायता करने वाले डिप्टी मेयर हैम गोरेन ने कहा कि यह ''चमत्कारिक'' रहा कि इस हमले में अधिक लोगों को चोट नहीं आई।

विस्फोट स्थल के पास एक ऊंची इमारत की सातवीं मंजिल पर रहने वाले ओफर बर्जर ने कहा, ''ऐसा लगता है जैसे कोई तूफ़ान मेरे अपार्टमेंट से होकर गुजरा हो। इस क्षेत्र के सभी अपार्टमेंट नष्ट हो गए हैं।''

बर्जर ने कहा कि उसे उम्मीद है कि ईरान के साथ युद्ध जल्द ही खत्म हो जाएगा। उसने कहा, ''इस तरह के जैसे को तैसा की तर्ज पर किये गए ज्यादातर हमले बहुत सी दुखभरी घटनाओं के साथ खत्म होते हैं।''

क्षतिग्रस्त इमारतों के बाहर निवासी अपने पालतू जानवरों और सूटकेस के साथ बैठे थे।

नक्सलियों को चैन से नहीं बैठने देंगे, जारी रहेगा अभियान : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि नक्सलियों के खिलाफ बारिश में भी अभियान चलेगा और उन्हें सोने नहीं दिया जाएगा। शाह ने माओवादियों से किसी भी तरह की बातचीत से इनकार करते हुए उनसे हथियार डालने और विकास की यात्रा में शामिल होने का अनुरोध किया।

गृह मंत्री छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर अटल नगर में राष्ट्रीय न्यायालयिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एनएफएसयू) परिसर और केंद्रीय न्यायालयिक प्रयोगशाला की आधारशिला रखने के बाद एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। शाह ने कहा, ''हर बार बारिश के मौसम में नक्सली थोड़ा आराम करते थे (क्योंकि घने जंगल के अंदर उफनती नदियां और नाले नक्सल विरोधी अभियानों में बाधा डालते हैं), लेकिन इस बार, हम उन्हें मानसून के दौरान सोने नहीं देंगे और हम 31 मार्च के लक्ष्य को हासिल करने के लिए और आगे बढ़ेंगे।'' उन्होंने कहा कि वह नक्सलवाद की राह पर चले गए भटके युवाओं से हथियार छोड़ने की अपील करना चाहते हैं।

शाह ने कहा, ''विष्णु देव साय जी ने बहुत ही आकर्षक आत्मसमर्पण नीति बनाई है, हथियार डाल दीजिए और नए छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा में शामिल हो जाइए। आत्मसमर्पण करने का इससे बेहतर मौका आपको कभी नहीं मिलेगा।

गृह मंत्री ने कहा कि किसी बातचीत की जरूरत नहीं है, सरकार पर भरोसा कीजिए, हथियार डाल दीजिए और मुख्यधारा में शामिल हो जाइए और आप अपने आप छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा में शामिल हो जाएंगे। उन्होंने कहा, ''जिन लोगों ने हथियार डाले हैं उनका भी मैं सामाजिक जीवन में वापस आने पर स्वागत करता हूं और विश्वास दिलाता हूं कि छत्तीसगढ़ की सरकार और केंद्र की सरकार ने जो वादा आपके साथ किया है, उस वादे को हम पूरा करेंगे और उससे अधिक भी आपकी सहायता करने का प्रयास करेंगे।''

जयशंकर ने पड़ोसी देशों के साथ संबंधों पर कहा

भारत को पड़ोसी देशों के साथ हर समय सुगमता की उम्मीद नहीं करनी चाहिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि भारत को पड़ोसी देशों के साथ अपने संबंधों के मामले में हर समय ''सुगमता की उम्मीद नहीं करनी चाहिए।'' बिना अधिक विवरण साझा किए जयशंकर ने कहा, ''आखिरकार, हमारे प्रत्येक पड़ोसी को यह समझना चाहिए कि भारत के साथ काम करने से आपको लाभ होगा और भारत के साथ काम न करने की एक कीमत चुकानी पड़ेगी।''

विदेश मंत्री ने 'डीडी इंडिया' पर आयोजित एक संवाद सत्र के दौरान कहा, ''कुछ लोगों को इसे समझने में अधिक समय लगता है, जबकि कुछ लोग इसे बेहतर समझते हैं। बेशक इसका एक अपवाद पाकिस्तान है, क्योंकि उसने अपनी पहचान सेना के तहत परिभाषित की है और उसमें शत्रुता का भाव है। इसलिए यदि आप पाकिस्तान को एक तरफ रख दें, तो यह तर्क हर जगह लागू होगा।''

जयशंकर ने शनिवार रात अपने 'एक्स' हैंडल पर लगभग एक घंटे की बातचीत का लिंक साझा किया।

विदेश मंत्री से एक रणनीतिक विशेषज्ञ के साथ बातचीत में पिछले 11 वर्षों में अमेरिका और चीन के रुख में आए बदलावों के बारे में भी पूछा गया और पूछा गया कि नई दिल्ली इस बदलाव को कैसे देखती है।

जयशंकर ने कहा, ''जहां तक अमेरिका का सवाल है, हां, उसके बारे में अंदाजा लगाना मुश्किल है, इसलिए एक व्यवस्थित स्तर पर, आप इसे यथासंभव अधिक से अधिक संबंधों के साथ स्थिर करते हैं।'' उन्होंने कहा, ''यदि आपको चीन के सामने खड़ा होना है, तो हम काफी कठिन दौर से गुजर चुके हैं, इसलिए क्षमताओं को बेहतर बनाना महत्वपूर्ण है।''

23-06-2025 सूर्यास्त 6:48 बजे	24-06-2025 सूर्योदय 5:55 बजे
BSE 82,408.17 (+1,046.30)	NSE 25,112.40 (+319.15)
सोना 10,441 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 109,016 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बँटी मानवता

हिन्दू, क्रिश्चियन या मुसलमान,
अगड़े-पिछड़े का भेद हुआ।
कोई कुरान बाइबिल वाला,
रामायण, ग्रंथी, वेद हुआ।
बँट गया जातियों में मानव,
अपनी कारा में कैद हुआ।
रिस रही मनुजता की गागर,
उसके तल में अब छेद हुआ।।

पाकिस्तान ने ईरान के परमाणु स्थलों पर अमेरिका के हमलों की निंदा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लाहौर/भाषा। पाकिस्तान ने रविवार को ईरान के परमाणु प्रतिष्ठानों पर अमेरिकी हमलों की निंदा की और इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया। इसके साथ ही पाकिस्तान ने क्षेत्र में हिंसा के और बढ़ने की आशंका भी जताई है। इससे एक दिन पहले ही पाकिस्तान ने नोबेल शांति पुरस्कार के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन किया था।

इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए, पाकिस्तान के विदेश कार्यालय (एफओ) ने एक बयान में कहा, पाकिस्तान ईरान के परमाणु प्रतिष्ठानों पर अमेरिकी हमलों की निंदा करता है। हम इस क्षेत्र में तनाव के और बढ़ने की आशंका से बेहद चिंतित हैं। पाकिस्तान ने कहा कि ये हमले अंतरराष्ट्रीय कानून के सभी मानदंडों का उल्लंघन हैं और ईरान को संयुक्त राष्ट्र चार्टर के तहत खुद का बचाव करने का वैध अधिकार है। एफओ ने कहा, ईरान के खिलाफ जारी हमलों के कारण तनाव और हिंसा में अभूतपूर्व वृद्धि बेहद चिंताजनक है। तनाव बढ़ने से इस क्षेत्र और दूसरे क्षेत्रों के लिए हानिकारक परिणाम होंगे।

भारत को कई मार्गों से तेल की आपूर्ति प्राप्त हो रही : पुरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दुनिया के सबसे बड़े ऊर्जा आपूर्ति क्षेत्रों में बढ़ते तनाव के बीच केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने रविवार को कहा कि तीसरे सबसे बड़े तेल आयातक और चौथे सबसे बड़े गैस खरीदार भारत के पास कई हफ्तों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त ऊर्जा आपूर्ति है और उसे कई मार्गों से आपूर्ति प्राप्त हो रही है। मंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''सरकार पिछले दो सप्ताह से पश्चिम एशिया में बदलती भू-राजनीतिक स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही है।''

■ **हमारी तेल विपणन कंपनियों के पास कई सप्ताह के लिए आपूर्ति है तथा हम अपने नागरिकों को ईंधन की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएंगे।**

उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में, हम पिछले कुछ वर्षों में अपनी आपूर्ति में विविधता लेकर आए हैं और अब हमारी आपूर्ति का एक बड़ा हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से नहीं आता है।''

पुरी ने कहा, ''हमारी तेल विपणन कंपनियों के पास कई सप्ताह के लिए आपूर्ति है तथा उन्हें कई मार्गों से ऊर्जा आपूर्ति प्राप्त होती रहेगी। हम अपने नागरिकों को ईंधन की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएंगे।''

होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने से भारत की ऊर्जा खरीद पर असर पड़ेगा: विशेषज्ञ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ने वाला पतला जलमार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य बंद हुआ तो इसका भारत की ऊर्जा सुरक्षा सहित वैश्विक और क्षेत्रीय स्तर पर काफी प्रभाव होगा। रणनीतिक मामलों के विशेषज्ञों ने यह बात कही।

ईरान के तीन मुख्य परमाणु केंद्रों पर अमेरिकी हमलों के बाद तेहरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने के संकेत दिए हैं। भारत के कुल तेल आयात का बड़ा हिस्सा इसी जलडमरूमध्य से होकर आता है। भारत अपनी 90 प्रतिशत कच्चे तेल की जरूरतों को पूरा करने के लिए आयात पर निर्भर है और अपनी प्राकृतिक गैस का लगभग आधा हिस्सा विदेश से खरीदता है।

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन के विशेष केंद्र के एसोसिएट प्रोफेसर लक्ष्मण कुमार बेहरा ने कहा कि इस रास्ते के बंद होने से ऊर्जा बाजारों में वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ेगा और इसका असर भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर भी होगा। बेहरा ने कहा कि महत्वपूर्ण जल मार्ग में कोई भी व्यवधान इराक से भारत के कच्चे तेल के आयात और कुछ हद तक सऊदी अरब पर बड़ा असर डालेगा। भारतीय नौसेना के पूर्व प्रवक्ता कैप्टन डी के शर्मा (सेवानिवृत्त), जो खाड़ी क्षेत्र में घटनाक्रमों पर करीबी नजर रखते हैं, ने भी कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने की ईरान की धमकी वैश्विक तेल व्यापार में महत्वपूर्ण व्यवधान पैदा कर सकती है। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यवधान बीमा प्रीमियम को प्रभावित कर सकता है, और तेल आवाजाही का मार्ग बदलना महंगा हो सकता है।

भारतीय नौसेना में एक जून को शामिल किया जाएगा गाइडेड मिसाइल युद्धपोत 'आईएनएस तमाल'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय नौसेना के रूस में निर्मित गाइडेड मिसाइल युद्धपोत 'आईएनएस तमाल' को एक जुलाई को रूस के तटीय शहर कलिनिनग्राद में नौसेना में शामिल किया जाएगा।

गाइडेड मिसाइल युद्धपोत 'आईएनएस तमाल' अनेक मिसाइलों और निगरानी प्रणालियों को ले जाने में सक्षम है।

अधिकारियों ने बताया कि जहाज में 26 प्रतिशत घटक स्वदेशी हैं, जिसमें समुद्र और जमीन दोनों पर निशाना साधने के लिए ब्रह्मोस लंबी दूरी की क्रूज मिसाइल भी शामिल है।

भारतीय नौसेना के अनुसार, युद्धपोत 'आईएनएस तमाल' 125 मीटर लंबा है और इसका वजन 3900 टन है। इस युद्धपोत में भारतीय और रूसी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों तथा युद्धपोत निर्माण की सर्वोत्तम पद्धतियों का उपयोग किया गया है।

नौसेना में शामिल होने के बाद तमाल भारतीय नौसेना की 'स्वॉर्ड आर्म' में शामिल हो जाएगा। 'स्वॉर्ड आर्म' भारतीय नौसेना में पश्चिमी बेड़े के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक पद है।

भारतीय नौसेना के प्रवक्ता कमांडर विवेक मधवाल ने बताया कि युद्धपोत 'आईएनएस तमाल' न केवल भारतीय नौसेना की बढ़ती क्षमताओं का प्रतीक होगा बल्कि यह भारत-रूस साझेदारी की सहयोगी ताकत का भी उदाहरण पेश करेगा।

आईएनएस तमाल पिछले दो दशकों में रूस से भारतीय नौसेना में शामिल होने वाला क्रिवाक श्रेणी का आठवां युद्धपोत होगा।

अधिकारियों ने बताया कि इस युद्धपोत का निर्माण कलिनिनग्राद स्थित यंतर शिपयार्ड में किया गया है और यह विदेशी स्रोत से शामिल किया जाने वाला अंतिम ऐसा पोत है। इस युद्धपोत को नौसेना में शामिल किए जाने के लिए आयोजित होने वाले समारोह की अध्यक्षता पश्चिमी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस एडमिरल संजय जे सिंह करेंगे। इस कार्यक्रम में कई उच्च पदस्थ भारतीय और रूसी रक्षा अधिकारी शामिल होंगे।

आईएनएस तमाल तुषिल श्रेणी का दूसरा युद्धपोत है, जो अपने पूर्ववर्ती तलवार और तेग श्रेणी का उन्नत संस्करण है। अधिकारियों ने बताया कि युद्धपोतों की यह श्रंखला पूरी होने से भारतीय नौसेना चार विभिन्न श्रेणियों में समान क्षमताओं और उपकरण, हथियार और सेंसर में समानता वाले 10 युद्धपोतों का संचालन करेगी।

युद्धपोत 'आईएनएस तमाल' में ऊर्ध्वाधर रूप से प्रक्षेपित सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें, उन्नत 100 एमएम तोप, भारी वजन वाले टारपीडो, तत्काल हमला करने वाले पनडुब्बी रोधी रॉकेट तथा अनेक निगरानी और अग्नि नियंत्रण रडार और प्रणालियां हैं।

मधवाल ने कहा, ''तमाल अपने वजन से कहीं अधिक शक्तिशाली है, इसका टन भार और मारक क्षमता का अनुपात बहुत ऊंचा है, इसकी सहनशक्ति बहुत अधिक है, तथा इसकी अधिकतम गति 30 नॉट से अधिक है।''

डिजिटल धोखाधड़ी पर लगाम के लिए आरबीआई की अगुवाई वाली पहल हुई तेज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की देखरेख में डिजिटल भुगतान आसूचना मंच (डीपीआईपी) विकसित करने की पहल में सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के प्रमुख बैंकों को शामिल किया गया है।

डीपीआईपी का मकसद डिजिटल भुगतान में धोखाधड़ी की बढ़ती घटनाओं पर लगाम लगाना है। इसकी स्थापना डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डीपीआई) के रूप में की जा रही है। सूत्रों ने कहा कि प्रस्तावित मंच का मकसद तत्काल खुफिया जानकारी साझा करने और एकत्र करने की सुविधा देकर धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित इकाई का संस्थागत ढांचा सार्वजनिक क्षेत्र और निजी क्षेत्र के बैंकों की मदद से बनाया जाएगा, क्योंकि धोखाधड़ी एक आम समस्या है। इस महीने की शुरुआत में, इस संबंध में एक उच्चस्तरीय बैठक बुलाई गई थी ताकि मंच की संरचना को अंतिम रूप दिया जा सके। बैठक में वरिष्ठ बैंक अधिकारी, आरबीआई अधिकारी और अन्य हितधारक मौजूद थे।

विधायक पद या भाजपा की सदस्यता से इस्तीफा नहीं दूंगा : गोवा के पूर्व मंत्री गोविंद गौड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पणजी/भाषा। गोवा के बर्खास्त कला एवं संस्कृति मंत्री गोविंद गौड़े ने रविवार को कहा कि वह ना तो विधायक पद से इस्तीफा देंगे ना ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को छोड़ेंगे और आदिवासी लोगों के लिए काम करना जारी रखेंगे।

गौड़े ने इसके पहले मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत के नेतृत्व वाले आदिवासी कल्याण विभाग में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया था। प्रियोल विधानसभा क्षेत्र के मार्सेल गांव में एक जनसभा को संबोधित करते हुए गौड़े ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर उन्हें 'तटीय राज्य में हो रही घटनाओं' के बारे में जानकारी दी है। आदिवासी कल्याण विभाग में भ्रष्टाचार का आरोप लगाने के लगभग एक महीने बाद आदिवासी नेता को बुधवार को सावंत मंत्रिमंडल से बर्खास्त कर दिया गया।

गौड़े ने कहा कि वह विधायक के रूप में या भाजपा की सदस्यता से इस्तीफा नहीं देंगे। उन्होंने कहा, ''मैं पार्टी से इस्तीफा देने के लिए भाजपा में शामिल नहीं हुआ था। मैं पार्टी के साथ रहूंगा और प्रधानमंत्री मोदी को विकसित भारत 2047 के उनके सपने को पूरा करने में मदद करूंगा।'' गौड़े ने दावा किया कि पिछले साढ़े तीन वर्षों में उन्हें नड्डा समेत पार्टी के शीर्ष नेताओं से मिलने की अनुमति नहीं दी गई। उन्होंने कहा, ''अब मुझे पता चला कि उन्होंने ऐसा क्यों किया।''

उन्होंने दावा किया कि सावंत ने उन्हें फोन करके 'नड्डा के दबाव' के कारण इस्तीफा देने के लिए कहा था। गौड़े ने आरोप लगाया, ''सावंत ने मुझे बताया कि जेपी नड्डा का दबाव है और उन्होंने मुझे इस्तीफा देने के लिए कहा। लेकिन बाद में उन्होंने (सावंत ने) मीडिया से कहा कि यह उनका फैसला (मुझे कैबिनेट से हटाने का) था ।''

दिल्ली मौसम कार्यालय का 'एक्स' अकाउंट हैक, 'अनुचित' पोस्ट की जांच शुरू

नई दिल्ली/भाषा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के क्षेत्रीय मौसम पूर्वानुमान केंद्र (आरडब्ल्यूएफसी) द्वारा कुछ अनुचित पोस्ट दोबारा पोस्ट किए जाने के एक दिन बाद विभाग ने रविवार को कहा कि उसका 'एक्स' अकाउंट हैक हो गया है और मामले की जांच की जा रही है। 'पीटीआई-भाषा' ने शनिवार शाम को आईएमडी का ध्यान इस मुद्दे की ओर दिलाया था। इसके बाद, आईएमडी ने 'रीपोस्ट' किए गए पोस्ट को हटा दिया और जांच शुरू कर दी। आईएमडी ने रविवार को जारी एक बयान में कहा कि आरडब्ल्यूएफसी नई दिल्ली का 'एक्स' खाता शनिवार को हैक हो गया था और कुछ अनुचित पोस्ट की गई थीं। बयान में कहा गया है, उन पोस्ट को हटाने के लिए सुधारात्मक कार्रवाई की गई। मामले की आगे जांच की जा रही है।

आदिवासियों पर टिप्पणी करने पर विजय देवरकोंडा के खिलाफ मामला दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। हैदराबाद में एक फिल्म के रिलीज होने से पहले आयोजित एक कार्यक्रम में आदिवासियों के बारे में कथित रूप से टिप्पणी करने को लेकर अभिनेता विजय देवरकोंडा के खिलाफ अनुसूचित जाति/जनजाति अत्याचार रोकथाम अधिनियम (एससी/एसटी कानून) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, अभिनेता ने अप्रैल में इस कार्यक्रम में पहलगाम के हालिया आतंकवादी हमले की तुलना 500 वर्ष पहले के आदिवासी युद्धों से की थी।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया, ''अभिनेता ने अप्रैल में टिप्पणी की थी। लेकिन एक शिकायत के आधार पर 17 जून को उनके खिलाफ एससी/एसटी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया।'' जनजातीय समुदायों की संयुक्त कार्रवाई समिति की तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष नेनावथ अशोक कुमार नाइक उर्फ अशोक राठौड़ द्वारा दर्ज करायी गयी शिकायत में आरोप लगाया गया है कि फिल्म अभिनेता ने 'रेट्रो' फिल्म के रिलीज होने से पहले आयोजित कार्यक्रम में ऐसी टिप्पणियां कीं, जिससे आदिवासियों की भावनाओं को ठेस पहुंची और उनका गंभीर अपमान हुआ। राठौड़ ने आरोप लगाया कि देवरकोंडा ने आदिवासियों की तुलना पाकिस्तानी आतंकवादियों से की। उन्होंने कहा कि उनकी टिप्पणियों को नस्लीय रूप से अपमानजनक माना जा रहा है। तीन मई को देवकोंडा ने 'एक्स' पर एक बयान पोस्ट कर स्पष्ट किया था कि किसी भी समुदाय, विशेष रूप से अनुसूचित जनजातियों को चोट पहुंचाने या निशाना बनाने का उनका कोई इरादा नहीं था, क्योंकि वह उनका गहरा सम्मान करते हैं और उन्हें देश का अभिन्न अंग मानते हैं।

ईरान से 311 भारतीयों को लेकर एक अन्य उड़ान पहंचा दिल्ली

अब तक 1400 से अधिक लोग निकाले गये

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ईरानी परमाणु स्थलों पर अमेरिकी बमबारी के बाद ईरान एवं इजराइल के बीच बढ़ रहे तनाव के मध्य भारत ने रविवार को ईरान से 300 से अधिक भारतीय नागरिकों को लाया।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि ईरानी शहर मशहद से विशेष उड़ान से 311 भारतीय दिल्ली पहुंचे हैं। उसने कहा कि इस नये जत्थे के साथ, ईरान से वापस लाये गये लोगों की कुल संख्या अब 1,428 हो गई है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि 311 भारतीय नागरिक 22 जून को अपराह्न साढ़े चार बजे मशहद से विशेष उड़ान से नई दिल्ली पहुंचे। उन्होंने कहा कि अब तक कुल 1,428 भारतीय नागरिकों को ईरान से निकाला जा चुका है।

भारत ने दोनों देशों के बीच बढ़ती दुश्मनी के मद्देनजर ईरान और इजराइल से भारतीयों को वापस लाने के लिए पिछले सप्ताह 'ऑपरेशन सिंधु' शुरू किया था। एक सप्ताह से अधिक समय पहले शत्रुता शुरू होने के बाद से इजराइल और ईरान ने एक-दूसरे के शहरों तथा सैन्य तथा सामरिक प्रतिष्ठानों पर सैकड़ों मिसाइलें और ड्रोन दागे हैं। रविवार सुबह अमेरिका द्वारा ईरान के तीन प्रमुख परमाणु स्थलों पर बमबारी के बाद तनाव काफी बढ़ गया।

बम की धमकी के बाद बर्मिंघम-दिल्ली उड़ान को रियाद में उतारा गया : एअर इंडिया

नई दिल्ली/भाषा। बर्मिंघम से दिल्ली आ रही एअर इंडिया की एक उड़ान को शनिवार को बम की धमकी मिलने के बाद उसका मार्ग परिवर्तित कर सऊदी अरब के रियाद शहर में सुरक्षित उतारा गया। रविवार को एक बयान में टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन ने कहा कि यात्रियों को रियाद से उनके गंतव्य तक ले जाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है। एयरलाइन ने परिचालन स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए अपनी उड़ान सेवाओं को अस्थायी रूप से कम कर दिया है।

एअर इंडिया ने कहा, ''बर्मिंघम से दिल्ली जाने वाली उड़ान संख्या एआई114 को बम की धमकी मिली थी, जिसके बाद उसे रियाद की ओर मोड़ दिया गया, जहां उसे सुरक्षित तरीके से उतारा गया और सुरक्षा जांच पूरी कर ली गई। सभी यात्रियों को विमान से उतारा गया और उनके होटल में ठहरने की व्यवस्था की जा रही है।'' एयरलाइन ने बताया कि 12 जून को अहमदाबाद में विमान दुर्घटना के बाद उसने स्वैच्छिक रूप से उड़ानों से पहले सुरक्षा जांच को बढ़ाया है और संचालन की स्थिरता बनाए रखने के लिए अस्थायी रूप से कुछ सेवाएं घटाई गई हैं। एयरलाइन ने कहा, ''पश्चिम एशिया में हवाई क्षेत्र बंद रहने, यूरोप और पूर्वी एशिया के कई हवाई अड्डों पर रात में कर्फ्यू लागू होने, हवाई यातायात में भीड़ और कुछ अप्रत्याशित परिचालन समस्याओं जैसे बाहरी कारकों के कारण कुछ उड़ानों में देरी होती है या उन्हें रद्द भी करना पड़ता है।''

ईरानी परमाणु केंद्रों पर अमेरिकी हमला अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन: ओवैसी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने ईरानी परमाणु केंद्रों पर अमेरिकी हमले की निंदा की और इसे अंतरराष्ट्रीय कानूनों और परमाणु हथियारों के अप्रसार पर संयुक्त राष्ट्र संधि का उल्लंघन करार दिया।

हैदराबाद से ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के लोकसभा सदस्य ने यह भी चिंता जताई कि अमेरिकी बमबारी के बाद मध्य पूर्व के कुछ अरब देश इजराइल की 'ब्लैकमेलिंग और आधिपत्य' के कारण परमाणु हथियार बनाने की ओर अग्रसर हो सकते हैं। उन्होंने कहा, सुबह ईरान के तीन या चार परमाणु केंद्रों पर (अमेरिका द्वारा) किया गया हमला अंतरराष्ट्रीय कानून, संयुक्त राष्ट्र अध्याय, एनपीटी का उल्लंघन है। यह अमेरिका के संविधान का भी उल्लंघन करता है, क्योंकि इसमें कहा गया है कि कांग्रेस की अनुमति के बिना देश युद्ध नहीं कर सकता। उन्होंने आगे कहा कि अमेरिकी राष्ट्रीय खुफिया प्रमुख तुलसी गबार्ड ने भी पहले कहा था कि ईरान के पास (परमाणु हथियार) जैसा कुछ नहीं है। ओवैसी ने आरोप लगाया कि अमेरिका गाजा में हो रहे जातीय सफाए और नरसंहार को छिपा रहा है और कहा कि इजराइल के पास 700-800 परमाणु हथियार हैं और उसने एनपीटी पर हस्ताक्षर भी नहीं किए गए हैं।

घांघरिया में पर्यटकों से लूट, मारपीट करने वाले पंजाब के तीन बदमाश गिरफ्तार

गोपेश्वर/भाषा। उत्तराखंड के चमोली जिले में स्थित फूलों की घाटी की सैर को आए पर्यटकों से लूटपाट और मारपीट के आरोप में पुलिस ने पंजाब के तीन युवकों को गिरफ्तार कर किया है और उनके पास से लूट का माल भी बरामद किया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद के रहने वाले पीड़ित छात्रों द्वारा शिकायत दर्ज कराने के मात्र 24 घंटे के भीतर शनिवार को तीनों आरोपियों को चमोली में घांघरिया बाईपास मार्ग से गिरफ्तार कर लिया गया । गिरफ्तार आरोपी पंजाब के अमृतसर के खलचिया थाने के टीमोंवाल के रहने वाले हैं जिनकी पहचान गुरविंदर सिंह उर्फ गोपी (30), राजेंद्र सिंह (21) और वंशदीप सिंह (20) के रूप में हुई है।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, इनके कब्जे से 18000 रु नकद और एक आईफोन समेत लूटा हुआ माल भी बरामद हुआ है। शुक्रवार को प्रेम कुमार नाम के एक छात्र ने गोविन्दघाट थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि वह अपने दो पुरुष व दो महिला साथियों के साथ फूलों की घाटी घूमने आए थे। शिकायतकर्ता के मुताबिक, घांघरिया स्थित लक्ष्मण गंगा नदी पर बनी पुलिया के पास बृहस्पतिवार मध्यरात्रि के करीब तीन अज्ञात बदमाशों ने उन्हें रोक लिया और उनके साथ लाठी-डंडों से मारपीट कर उन्हें लूट लिया।

भाकपा (माओवादी) को ड्रोन की आपूर्ति करने वाला व्यक्ति गिरफ्तार

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने हिंसक एवं राष्ट्रविरोधी गतिविधियों को बढ़ाने के लिए प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा)-माओवादी संगठन को ड्रोन की आपूर्ति करने के आरोप में रविवार को एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि जांच एजेंसी ने आरोपी के पश्चिमी दिल्ली स्थित घर की तलाशी के दौरान हार्ड ड्राइव, पेन ड्राइव व मोबाइल फोन सहित डिजिटल उपकरण एवं अन्य आपत्तिजनक सामग्री भी जब्त की है। उन्होंने बताया कि आरोपी की पहचान विशाल सिंह के रूप में हुई है, जो मूल रूप से उत्तर प्रदेश के मथुरा का रहने वाला है।

राजा रघुवंशी हत्याकांड : सबूत छिपाने के आरोप में रियल एस्टेट कारोबारी और सुरक्षा गार्ड गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर/अशोकनगर/भाषा। बहुचर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड के सबूत छिपाने के आरोप में मेघालय पुलिस ने मध्यप्रदेश के अलग-अलग इलाकों से एक रियल एस्टेट कारोबारी और एक सुरक्षा गार्ड को गिरफ्तार किया है। स्थानीय पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि दोनों व्यक्तियों की गिरफ्तारी के बाद राजा रघुवंशी हत्याकांड में गिरफ्तार आरोपियों की संख्या बढ़कर सात हो गई है।

इंदौर के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राजेश दंडोतिया ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया,''राजा रघुवंशी हत्याकांड के सबूत छिपाने के मामले में मेघालय पुलिस के विशेष जांच दल (एसआईटी) ने इंदौर के रियल एस्टेट कारोबारी शिलोम जेम्स और शहर की एक इमारत के सुरक्षा गार्ड बलबीर अहिरवार उर्फ बल्ला को गिरफ्तार किया है।'' पुलिस सूत्रों ने बताया कि जेम्स और अहिरवार पर हत्याकांड की मुख्य आरोपी एवं राजा रघुवंशी की पत्नी सोनम का वह बैग गायब करने का आरोप है जो उसने इस वारदात के बाद इंदौर के देवास नाका क्षेत्र के एक फ्लैट में छिपाया था। सूत्रों के मुताबिक, इस बैग में हत्याकांड से जुड़े 'अहम सबूत' थे। मीडिया की कुछ खबरों में कहा गया है कि इस बैग में पांच लाख रुपए की नकदी और महंगे आभूषणों के साथ देशी तमंचा भी था। हालांकि, स्थानीय पुलिस ने फिलहाल बैग में रखे गए सामान का आधिकारिक विवरण नहीं दिया है। सूत्रों ने बताया कि यह बैग शहर के जिस फ्लैट में छिपाया गया था उसे जेम्स ने हत्याकांड के पांच गिरफ्तार आरोपियों में शामिल विशाल चौहान को किराये पर दिलाया था। जेम्स, इंदौर में रियल एस्टेट प्रबंधन की एक फर्म संचालित करता है। उसने 13 जून को खुद मीडिया के सामने आकर दावा किया था कि चौहान ने 30 मई को उससे मुलाकात करके शहर के देवास नाका क्षेत्र में 17,000 रुपए प्रति माह पर एक फ्लैट किराए पर लिया था और चौहान ने इसके लिए अनुबंध पर दस्तखत भी किए थे।

भारत में बिक्री बढ़ाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं रेनो, फॉक्सवैगन और स्कोडा जैसे यूरोपीय ब्रांड

नई दिल्ली/भाषा। यूरोप के प्रमुख वाहन ब्रांड रेनो, फॉक्सवैगन और स्कोडा भारतीय बाजार में अपनी उपस्थिति बढ़ाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उद्योग के आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले तीन वित्त वर्षों में भारतीय बाजार में इन ब्रांड की बिक्री में गिरावट आई है। वैश्विक वाहन उद्योग को आंकड़े और विश्लेषण उपलब्ध कराने वाली कंपनी जेएटीओ डायनेमिक्स के अनुसार, भारतीय बाजार में रेनो की बिक्री में सबसे अधिक गिरावट आई है। भारतीय बाजार में कंपनी की बिक्री 2024-25 में घटकर 37,900 इकाई रह गई। यह आंकड़ा 2023-24 में 45,439 इकाई और 2022-23 में 78,926 इकाई था।

इसी तरह स्कोडा की भारतीय बाजार में बिक्री 2024-25 में 44,866 इकाई रही। यह 2023-24 के 44,522 इकाई से मामूली अधिक है। हालांकि, 2022-23 के आंकड़े 52,269 इकाई से काफी कम है। दूसरी ओर, फॉक्सवैगन ब्रांड ने 2024-25 में 42,230 गाड़ियां बेचीं। 2023-2024 में कंपनी की बिक्री 43,197 इकाई और 2022-2023 में 41,263 इकाई रही थी। जेएटीओ डायनेमिक्स इंडिया के अध्यक्ष रवि जी भाटिया ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''रेनो, स्कोडा और फॉक्सवैगन को भारत में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।'' भारत में इन ब्रांड के संघर्ष की वजह बताते हुए उन्होंने कहा, ''शुरुआत में, इन ब्रांड ने सेडान – वेंटो, रैपिड और स्काला पर बहुत अधिक ध्यान केंद्रित किया। इसकी वजह से तेजी से बढ़ते स्पोर्ट्स यूटिलिटी वाहन (एसयूवी) खंड तक उनकी पहुंच सीमित रही।'' भाटिया ने कहा, ''इसके साथ ही ये ब्रांड अपनी उत्पाद लाइन में बदलाव करने में धीमे रहे। कई मॉडल में एक लंबे अरसे तक कोई बदलाव नहीं हुआ। इनकी नेटवर्क पहुंच भी सीमित रही है, खासकर दूसरी और तीसरी श्रेणी के बाजारों में। इससे ये ब्रांड एक बड़े उपभोक्ता वर्ग तक नहीं पहुंच पाए।''

राजभवन में हिमाचल प्रदेश, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, गुजरात, ओडिशा, तेलंगाना राज्यों का स्थापना दिवस मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राजभवन में हिमाचल प्रदेश, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, गुजरात, ओडिशा और तेलंगाना राज्यों का स्थापना दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में हिमाचल प्रदेश, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, गुजरात, ओडिशा, तेलंगाना राज्यों की कला, संस्कृति और परंपराओं को प्रदर्शित करने वाले रंगारंग और आकर्षक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने हिमाचल प्रदेश, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, गुजरात, ओडिशा, तेलंगाना राज्यों की कला, संस्कृति और परंपराओं को प्रदर्शित करने वाले विभिन्न रंगारंग और आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुति देने वाले सभी कलाकारों को बधाई दी। उन्होंने कहा, इस कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों से आए सांस्कृतिक दलों द्वारा प्रस्तुतियां अत्यंत सराहनीय हैं। भाषा भले ही अलग हो, नृत्य और संगीत की शैली अलग हो, लेकिन भावना एक ही है, समर्पण, सद्भाव और देशभक्ति। उन्होंने कहा, भारत का प्रत्येक राज्य अपनी विशेषताओं तथा धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत के कारण अद्वितीय है। राज्यों की ये विशेषताएं भारतीय संस्कृति की विविधता एवं समृद्धि को प्रदर्शित करती हैं। भारत के विभिन्न राज्यों में मनाए जाने वाले त्योहारों एवं समारोहों की अवधारणा एवं उद्देश्यों में समानता एवं समरसता दिखाई देती है। एक भारत श्रेष्ठ भारत की विचारधारा से प्रेरित ऐसे कार्यक्रम भारत की सांस्कृतिक विविधता को बढ़ाने के साथ-साथ राष्ट्रीय एकता एवं आपसी समझ की भावना को भी बढ़ा रहे हैं।

उन्होंने कहा, हमारे देश की सांस्कृतिक विविधता ही हमें अद्वितीय बनाती है। कश्मीर से कन्याकुमारी तक और कच्छ से कामरूप तक, हमें ऐसे देश में रहने पर गर्व है, जहां विभिन्न रंगों की संस्कृतियां एक झंडे के नीचे एकजुट हैं। मैं देश के सभी राज्यों के स्थापना दिवस को सभी राजभवनों में मनाने की अवधारणा को लागू करने के लिए माननीय प्रधानमंत्री एवं माननीय केंद्रीय गृह मंत्री को धन्यवाद देता हूं। उनकी प्रेरणा से प्रत्येक राज्य का स्थापना दिवस अन्य राज्यों में भी मनाया जा रहा है, जिससे सामाजिक एकीकरण एवं सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा मिल रहा है। उन्होंने कहा, प्रत्येक राज्य की अपनी अनूठी परंपरा, भाषा, वेशभूषा, संगीत, कला, भोजन और जीवनशैली है और इन सभी ने मिलकर भारत को एक समृद्ध राष्ट्र बनाया है। राज्य दिवस उस संघर्ष, दृढ़ संकल्प और नेतृत्व का स्मरण कराता है, जिसने हमारे राज्य को आज एक सुशासित और प्रगतिशील राज्य बनाया है। यह दिन हमारे पूर्वजों के योगदान का स्मरण कराता है, जिन्होंने राज्य के निर्माण और विकास के लिए अथक परिश्रम किया। आज, जब हम विभिन्न राज्यों का स्थापना दिवस एक साथ मना रहे हैं, तो यह भारतीय संघ की ताकत और हमारे लोकतंत्र की सुंदरता का प्रतीक है, जहां विविधता में एकता न केवल एक आदर्श है, बल्कि एक व्यावहारिक वास्तविकता भी है। राज्यपाल ने आह्वान किया कि भारत की प्रगति में प्रत्येक राज्य ने विशेष योगदान दिया है, किसी ने कृषि में, किसी ने औद्योगिक विकास में, किसी ने शिक्षा और तकनीकी अनुसंधान में, तो किसी ने पर्यटन और संस्कृति के माध्यम से देश को वैश्विक पहचान दिलाई है। हमें अपने राज्यों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने और समावेशी विकास, सामाजिक न्याय, पर्यावरण संतुलन और तकनीकी नवाचार के माध्यम से एक आदर्श राज्य बनाने का संकल्प लेना चाहिए। यह अवसर हमारी नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत होना चाहिए। जब हमारे युवा अपने राज्य के इतिहास और उसकी उपलब्धियों को जानेंगे, तभी वे उसके विकास में भागीदार बनेंगे। हम सभी की जिम्मेदारी है कि हम विकसित भारत के संकल्प के लिए प्रतिबद्ध हों और अपना योगदान दें।

देवेगौड़ा ने आम उत्पादकों की दुर्दशा पर प्रधानमंत्री मोदी को लिखा पत्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पूर्व प्रधानमंत्री और जनता दल सेक्युलर (जदएस) सुप्रीमो एचडी देवेगौड़ा ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से आम की खराब पैदावार, कीमतों में गिरावट और अंतरराज्यीय व्यापार में व्यवधान के कारण कर्नाटक के किसानों को हो रहे भारी नुकसान का सामना करने में मदद करने की मांग को लेकर एक पत्र लिखा। गौड़ा ने मोदी को लिखे एक पत्र में कहा कि देश में बागवानी का प्रमुख केंद्र कर्नाटक, खासकर आम के उत्पादन में भारी संकट का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि बेंगलूरु ग्रामीण, शहरी, चिक्कबल्लापुरा, कोलार और रामनगर जैसे जिलों में 1.39 लाख हेक्टेयर में आम की खेती की जाती है, जिसमें रबी सत्र के दौरान आठ लाख से 10 लाख टन उत्पादन होने की उम्मीद है। हालांकि, इस वर्ष प्रतिकूल मौसम और बीमारी के कारण उत्पादन में 70 फीसदी से अधिक की गिरावट आई है।

उन्होंने कहा, मई व जून के बीच स्थिति उस समय और खराब हो गई, जब बाजार में आम की आवक बढ़ गई, जिससे आम की कीमतें 12,000 रुपये प्रति क्विंटल से गिरकर 3,000 रुपये प्रति क्विंटल तक पहुंच गई, जो खेती की लागत 5,466 रुपये प्रति क्विंटल से भी कम है। कई छोटे और सीमांत किसान अब अपनी लागत भी नहीं निकाल पा रहे हैं, जिस वजह से वे संकट में हैं और कई जिलों में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। पूर्व प्रधानमंत्री ने आंध्र प्रदेश द्वारा अपने चित्तूर जिले में तोतापुरी आमों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने के कारण कर्नाटक की सीमा पर उत्पादकों को होने वाले अतिरिक्त नुकसान पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने लिखा, इस अंतरराज्यीय प्रतिबंध ने आपूर्ति को बाधित किया है और फसल तोड़ने के बाद के नुकसान को बढ़ा दिया है। देवेगौड़ा ने कहा कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव ने प्रतिबंध को वापस लेने की मांग करते हुए आंध्र प्रदेश के अपने समकक्षों के साथ इस मामले को उठाया है। उन्होंने स्थिति को गंभीर बताते हुए प्रधानमंत्री मोदी से आग्रह किया कि वह तुरंत राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ लिमिटेड (नेफेड) और राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ (एनसीसीएफ) जैसी केंद्रीय एजेंसियों को मूल्य में कमी के चलते नुकसान के भुगतान और बाजार हस्तक्षेप योजना के तहत आम की खरीद शुरू करने का निर्देश दें। पूर्व प्रधानमंत्री ने सुझाव दिया कि उचित मूल्य सुनिश्चित करने व ग्रामीण संकट को रोकने के लिए किसानों से सीधे और किसान उत्पादक संगठनों के माध्यम से खरीद की जानी चाहिए।

रविवार को कर्नाटक राजभवन में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, मंत्री एमसी सुधाकर, केएच मुनिप्पा आदि ने राज्यपाल थावरचन्द गहलोत से सौहार्दपूर्ण मुलाकात की।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर अक्षर योग केंद्र ने बनाए 12 गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड, रचा इतिहास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 के अवसर पर बेंगलूरु स्थित अक्षर योग केंद्र ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए 12 नए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित किए। यह अभूतपूर्व उपलब्धि हिमालयन सिद्ध अक्षर के मार्गदर्शन में संपन्न हुई, जो केंद्र के संस्थापक और आध्यात्मिक प्रमुख हैं। पैलेस ग्राउन्ड में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 के अवसर पर आयोजित रिकॉर्ड-ब्रेकिंग आयोजन में 30 से अधिक देशों से आए 2,500 से अधिक योग साधकों ने भाग लिया। इन देशों में ताइवान, मलेशिया, हांगकांग, इटली, अमेरिका, यूके, दुबई, साइप्रस और सिंगापुर जैसे नाम शामिल हैं।

इस विविध और भव्य समारोह में भारतीय सेना, वायुसेना, कर्नाटक पुलिस, एनसीसी कैडेटस, विशेष रूप से सक्षम व्यक्ति, अनाथालयों के बच्चे, कॉर्पोरेट और व्यवसायिक क्षेत्र के प्रतिनिधि और अंतरराष्ट्रीय योग समुदाय के सदस्य शामिल थे। यह आयोजन अक्षर योग केंद्र के वैश्विक स्तर पर संरचित और सुलभ योग शिक्षा को फैलाने के मिशन की दिशा में एक बड़ा कदम साबित हुआ। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय द्वारा 'योग संस्था' श्रेणी में मान्यता प्राप्त अधिसंख्य निकाय के रूप में मान्यता प्राप्त यह संस्था प्राचीन योग परंपराओं को आधुनिक संदर्भों के साथ जोड़ते हुए निरंतर विशाल योग अभियानों की अगुआई कर रही है।

अक्षर ने इस अवसर पर कहा, यह विशाल प्रयास एक उद्देश्यपूर्ण जीवन का प्रतीक है। यह हर व्यक्ति को प्रेरित करता है कि वह जीवन में सार्थक लक्ष्य तय करे और उन्हें पूरे समर्पण से प्राप्त करने का प्रयास करे। जो भी रिकॉर्ड हम बनाते हैं, वे मानव संकल्पशक्ति की असीम क्षमता को दर्शाते हैं। यह एक वैश्विक आंदोलन है, जिसके माध्यम से हम योग की प्राचीन ज्ञान परंपरा को सम्मानित करते हैं और हर व्यक्ति को उसके सर्वोच्च स्वरूप को जगाने की प्रेरणा देते हैं।

इस आयोजन में प्रतिभागियों ने योगासन एवं योगिक अनुक्रमों को 30 सेकंड से लेकर कई मिनटों तक किया। हर आसन को स्वास्थ्य, ऊर्जा और आंतरिक परिवर्तन के प्रतीक के रूप में सावधानीपूर्वक चुना गया था। यह आयोजन हफ्तों की अनुशासित तैयारी और अक्षर योग केंद्र के वैश्विक नेटवर्क में समन्वय का परिणाम था। 80 से अधिक देशों में अपनी उपस्थिति, 2 करोड़ से अधिक योग अभ्यासी और 50,000 से अधिक प्रमाणित शिक्षकों के साथ, अक्षर योग केंद्र आज भी संरचित और समावेशी दृष्टिकोण के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय योग आंदोलन का नेतृत्व कर रहा है। संस्था ने इंफोसिस, विप्रो, रोल्स-रॉयस, अमेजन जैसी कंपनियों के साथ-साथ स्कूलों, विश्वविद्यालयों, सैन्य बलों और राजनयिक मिशनों के साथ भी सहयोग किया है।

यह ऐतिहासिक आयोजन संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित 2025 की थीम एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के साथ भी पूर्णतः मेल खाता है और भारत की समग्र स्वास्थ्य दृष्टि को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करता है। ये 12 गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड न केवल भारत की जीवंत आध्यात्मिक विरासत के प्रमाण हैं, बल्कि योग की इस परंपरा को आगे बढ़ाने के प्रति अक्षर योग केंद्र की अटूट प्रतिबद्धता को भी दर्शाते हैं। जैसे-जैसे विश्व, योग को जीवनशैली और आध्यात्मिक साधना के रूप में अपना रहा है, अक्षर योग केंद्र यह संकल्प दोहराता है कि वह योग को स्वास्थ्य, आत्म-परिवर्तन और चेतना के सार्वभौमिक मार्ग के रूप में स्थापित करने के लिए सतत प्रयास करता रहेगा।

हुब्बल्ली शहर की नागरिक सुविधाओं और स्वच्छता को बेहतर बनाएं, कर्मचारियों को चेताया : मंत्री संतोष लाड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। सक्रिय धारवाड़ जिला प्रभारी मंत्री संतोष लाड ने रविवार को सुबह सिद्धारूढ मठ, अरुधा नगर, गणेशनगर, आनंदनगर सर्कल, रामलिंगेश्वर नगर, गांधीवाड़ा, केशवपुरा सहित हुब्बल्ली शहर के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा किया, स्वच्छता अभियान में नागरिक कार्यकर्ताओं के साथ हाथ मिलाया और नागरिकों और अधिकारियों को उनके कर्तव्यों की याद दिलाई।

मंत्री संतोष लाड ने स्वयं कचरा पात्र भरकर, नालियों की सफाई करके, तथा औजारों से कचरा भरकर, जगह-जगह गंदगी फैलाने वाले, कूड़ा फेंकने वाले नागरिकों को शर्मसार कर दिया तथा अधिकारियों और कर्मचारियों को स्वयं का पुनर्मूल्यांकन करने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने उपस्थित जनसमूह को सीधे तौर पर बताया कि आज का कार्यक्रम पोज देने या पिकनिक मनाने के बारे में नहीं है; यह पर्यावरण, सफाई और स्वच्छता के बारे में नागरिकों में जागरूकता पैदा करने और नगर निगम कर्मचारियों को उनके कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करने के लिए प्रेरित करने के बारे में है।

उन्होंने सिद्धा रोड शहर के गणेशनगर के प्रथम व द्वितीय क्रॉस पर कीड़े युक्त नालियों, कचरा युक्त ब्लैक स्पॉट, सड़क के ऊपर व नीचे मैनहोल ढक्कन तथा कचरा युक्त खाली स्थलों का निरीक्षण किया तथा संबंधितों के विरुद्ध तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को सिर्फ अपनी गाड़ी या दफ्तर में समय नहीं बिताना चाहिए, बल्कि मौके पर जाकर फील्ड विजिट करनी चाहिए। उन्हें अपने अधिकार क्षेत्र और वहां की समस्याओं के बारे में हर दिन जानकारी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हुब्बल्ली और धारवाड़ को सुंदर और स्वच्छ शहर बनाने के लिए सभी को ईमानदारी से प्रयास करना चाहिए।

हुब्बल्ली शहर में महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थानों पर 622 ब्लैक स्पॉट हैं, जहां जनता कचरा फेंकती है, उनकी पहचान की गई है। इनकी लगातार सफाई होनी चाहिए। कचरा इकट्ठा करने वालों की पहचान की जानी चाहिए और नगरपालिका अधिकारियों को उन पर जुर्माना लगाना चाहिए, ऐसा मंत्री संतोष लाड ने कहा। मंत्री संतोष लाड ने कहा कि मनपा आयुक्त, जोनल सहायक आयुक्त, अभियंता, अपशिष्ट प्रबंधन अधिकारी और स्वास्थ्य निरीक्षक अपने अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले वार्डों और ओनी क्षेत्रों का लगातार दौरा करें और मौके पर ही जनता की समस्याओं का समाधान करें।

शहर की बदहाली के लिए शहर में खाली जगहों के मालिक भी जिम्मेदार हैं। हुब्बल्ली-धारवाड़ महानगरीय क्षेत्र में करीब 82 हजार खाली जगहें हैं। इनमें से अधिकांश जगहों पर कोई परिसर नहीं है, कोई तार की बाड़ नहीं है और वे साफ-सुथरी नहीं हैं। उनमें पेड़-पौधे उग आए हैं। दूसरे लोग अपने घर का कचरा लाकर यहां फेंक देते हैं। उन्होंने कहा कि इनमें जहरीले जानवर और सूअर रहते हैं। नगर आयुक्त इसे गंभीरता से लें, इस संबंध में सार्वजनिक घोषणा जारी करें तथा साइट मालिकों को एक सप्ताह के भीतर अपनी साइट साफ करने का निर्देश दें।

राजभवन के निर्देश पर एबीवीपी, युवा मोर्चा ने मेरे खिलाफ प्रदर्शन किया : शिवनकुट्टी

तिरुवनंतपुरम। केरल के सामान्य शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने रविवार को दावा किया कि 'भारत माता' विवाद को लेकर उनके खिलाफ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के युवा मोर्चा और छात्र समूहों द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शन का उद्देश्य राज्य में दंगे भड़काना था और कथित तौर पर राजभवन के निर्देश पर ऐसा किया गया। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) पर पलटवार करते हुए भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने वामपंथी पार्टी पर प्रदर्शनकारियों के खिलाफ हिंसा का सहारा लेकर विरोध प्रदर्शन को दबाने का प्रयास करने का आरोप लगाया।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि वामपंथी सरकार प्रदर्शनों को दबाने के लिए बल का प्रयोग करेगी तो उसे भी उसी तरह जवाबी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। इससे पहले दिन में शिवनकुट्टी ने पत्रकारों से कहा कि आरएसएस के कार्यक्रमों में प्रदर्शित की जाने वाली 'भारत माता' की तस्वीर दिखने के बाद उनके राजभवन में आयोजित कार्यक्रम छोड़कर जाने की वजह से पिछले कुछ दिन में उन पर हमला किया गया और यात्राओं में बाधा डाली गई।

पुरस्कार

बेंगलूरु के डॉ. बाबू जगजीवनराम भवन में एचडी देवेगौड़ा अभिनंदन समिति द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान पूर्व प्रधान मंत्री एचडी देवगौड़ा को आदिचुंचनगरी मठ के श्री निर्मलानंद स्वामीजी द्वारा 'श्री गंगा सम्राट श्री पुरुष' पुरस्कार प्रदान किया।

केरल में मंत्रियों के निजी कर्मियों की नियुक्ति को भाजपा ने 'भाई-भतीजावाद का पिनराई मॉडल' बताया

तिरुवनंतपुरम। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की केरल इकाई के अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने मुख्यमंत्री पिनराई विजयन और वाम मोर्चा सरकार के मंत्रियों द्वारा निजी कर्मचारियों की नियुक्ति को रविवार को भाई-भतीजावाद का ''पिनराई मॉडल'' करार दिया। चंद्रशेखर ने वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार पर कड़ा प्रहार करते हुए दावा किया कि राज्य पीएससी (लोक सेवा आयोग) की रैंक सूची में जगह बनाने वाले योग्य अभ्यर्थियों को नौकरी देने से इनकार किया जा रहा है।

आवास योजना में भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन शुरू करेगी भाजपा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। भाजपा की कर्नाटक इकाई ने सत्तारूढ़ कांग्रेस के विधायक बी. आर. पाटिल द्वारा आवास योजनाओं में भ्रष्टाचार होने के आरोपों के संबंध में रविवार को कहा कि वह राज्य में इसके खिलाफ आंदोलन शुरू करेगी। हालांकि पार्टी ने यह नहीं बताया कि इसे कब शुरू किया जाएगा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राज्य इकाई के विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने कहा कि पाटिल के बयान से सरकार में व्याप्त भ्रष्टाचार उजागर हो गया है।

पाटिल कर्नाटक राज्य नीति एवं योजना आयोग के उपाध्यक्ष भी हैं। उन्होंने आवास मंत्री बी. जेड. जमीर अहमद खान के निजी सचिव सरफराज खान के साथ फोन पर बातचीत के दौरान मकानों के आवंटन में रिश्वतखोरी का आरोप लगाया था। दोनों के बीच बातचीत का ऑडियो क्लिप वायरल हो गया, जिससे सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार को शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा। इसके बाद आड़ंद विधायक ने पुष्टि की कि ऑडियो में आवाज उनकी ही थी।

पाटिल ने शनिवार को संवाददाताओं से कहा, ''ऑडियो में मेरी ही आवाज़ है। मैंने बोल दिया है... मुझे जो कहना था, कह दिया है। मुझे नहीं पता कि मुख्यमंत्री क्या करेंगे। अगर वो मुझे बुलाएंगे तो मैं जाकर उनसे बात करूंगा।'' पाटिल ने कहा कि उन्होंने केवल सच बोला है।

विजयेंद्र ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए संवाददाताओं से कहा, ''वरिष्ठ नेता और कांग्रेस विधायक बी. आर. पाटिल ने राज्य में व्याप्त गंभीर स्थिति को उजागर किया है। पाटिल ने गरीबों को आवास उपलब्ध कराने वाले विभाग के भीतर भ्रष्टाचार का पर्दाफाश किया है।''

शिकारीपुरा से विधायक विजयेंद्र ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ पार्टी के नेता पाटिल को धमकाने की कोशिश कर रहे हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा, ''एक बात तो तय है कि यह कांग्रेस सरकार राज्य के गरीब लोगों के लिए अभिशाप बन गई है।

पूजा अर्चना

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार रविवार को कर्नाटक के मैसूरु जिले के उत्तानहल्ली गांव में त्रिपुरा सुंदरी अम्मन मंदिर में पूजा अर्चना की।

मध्य पूर्व में बिगड़ते हालात के बीच एयरस्पेस बंद, चेन्नई लौटा ब्रिटिश एयरवेज का विमान

चेन्नई/दक्षिण भारत। अमेरिका-ईरान के बीच बढ़ते सैन्य तनाव के कारण मिडिल ईस्ट के एयर स्पेस को अचानक बंद कर दिया गया है, जिसके बाद लंदन जाने वाली ब्रिटिश एयरवेज की फ्लाइट को रविवार सुबह चेन्नई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर आपातकालीन वापसी करनी पड़ी। फ्लाइट बीए276 चेन्नई से सुबह 6.24 बजे रवाना हुई थी। यह फ्लाइट अपने निर्धारित समय सुबह 5.35 बजे से लगभग एक घंटा पीछे थी। इस फ्लाइट में 247 पैसेंजर्स और 15 क्रू मेंबर्स सवार थे। विमान बेंगलूरु को पार कर अरब सागर के ऊपर से गुजर रहा था। तभी पायलट को तत्काल सूचना मिली कि मिडिल ईस्ट एयरस्पेस के प्रमुख हिस्सों को बंद कर दिया गया है। इसके चलते लंदन के लिए नियोजित उड़ान मार्ग दुर्गम हो गया है। एयरस्पेस बंद करने की खबर कथित तौर पर ईरानी ठिकानों पर रात भर अमेरिकी सैन्य हमलों के बाद आई, जिसके बाद क्षेत्रीय अधिकारियों ने एहतियातन नागरिक उड़ानों को रोक दिया।

अलर्ट की सूचना मिलने पर, फ्लाइट क्रू ने तुरंत चेन्नई और लंदन दोनों एयर ट्रैफिक कंट्रोल सेंटर से संपर्क किया। अधिकारियों ने एयरक्राफ्ट को चेन्नई लौटने का निर्देश दिया। विमान सुबह करीब 10 बजे चेन्नई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुरक्षित रूप से उतरा। विमान में सवार सभी 262 लोग सुरक्षित हैं।

दक्षिण पश्चिम रेलवे

ई-निलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी, उपर्युक्त निलामी सूची में निर्धारित अपेक्षित पात्रता मानदंडों को पूरा करने वाले बोलीदाताओं को निम्नलिखित सेवा के लिए ई-निलामी में भाग लेने के लिए आमंत्रित करता है।

कार्य का नाम इसका स्थान

हुबली विभाग पर विजयपुरा (बीजेपी), गदग (जीडीजी) और धारवाड (डीडब्ल्यूआर) रेलवे स्टेशनों पर पाँच (05) साल की अवधि के लिए ओओएच विज्ञापन, होम विज्ञापन और एफओबी का निर्माण। (ई-निलामी केटलॉग नं. OOH-BJPDWRGDG-1 दिनांक: 27.06.2025)

ई-निलामी की तिथि: 27.06.2025, 11:30 बजे से 12:20 बजे तक

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में (ई-निलामी पोर्टल)

वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक हुबली

PUB/204/AAMO/PRB/SWR/2025-26

अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRRLY

राजस्थान को जल सम्पन्न बनाने की दिशा में अभियान की महत्वपूर्ण भूमिका : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर संचालित 'वंदे गंगा' जल संरक्षण-जन अभियान ने जल संरक्षण एवं संचयन के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। अपार जन सहयोग के साथ संचालित इस अभियान से प्रदेशभर में जल स्त्रोतों की दिशा और दशा में अभूतपूर्व सुधार आया है। विस्तृत कार्ययोजना और व्यापक प्रभाव से यह अभियान पर्यावरणीय दृष्टि से एक प्रेरणा स्त्रोत के रूप में उभरा है जिसके आगामी समय में सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे। देश के सबसे बड़े प्रदेश राजस्थान में विषम भौगोलिक परिस्थितियों के कारण जल की उपलब्धता सबसे बड़ी चुनौती रही है। मानसून के दौरान वर्षा का असमान रूप से वितरण और सतही जल की कम उपलब्धता के कारण राजस्थान मुख्यत: परंपरागत जल स्त्रोतों एवं साधनों पर आश्रित रहा है। इन जल स्त्रोतों के संरक्षण और इनमें संचयन के लक्ष्य की प्राप्ति के क्रम में मुख्यमंत्री शर्मा ने वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान (5 जून से 20 जून) की पहल की। इस अभियान का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इसे जन केन्द्रित रखा गया है ताकि इसका प्रभाव व्यापक हो। साथ ही, जल स्त्रोतों की पूजा-अर्चना को इस अभियान की एक प्रमुख गतिविधि बनाया ताकि आमजन में जल संस्कृति के प्रति झुकाव और जुड़ाव की अनुभूति हो।

शर्मा ने गंगा दशहरा और विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून) के शुभ अवसर पर इस अभियान की शुरूआत की। उन्होंने अभियान के पहले दिन जयपुर के रामगढ़ बांध पर श्रमदान करने के साथ ही, बूंदी के केशोरायपाटन में चंबल मां को चुनरी ओढ़ाई और भरतपुर की सुजानगंगा नहर पर दीपदान किया। इस दिन मंत्रिपरिषद के सदस्यों ने भी प्रदेशभर में अभियान के अन्तर्गत जल संरक्षण संबंधित विभिन्न गतिविधयों में शिरकत की। अभियान के दौरान मुख्यमंत्री ने व्यक्तिश: प्रदेश के विभिन्न अंचलों में जाकर इसमें भागीदारी और सतत निगरानी की। उन्होंने 9 जून को पुष्कर में ब्रह्म घाट पर तीर्थराज पुष्कर का पूजन किया और ब्यावर में जवाजा तालाब की पाल पर जलाभिषेक किया। इसके बाद 18 जून को मुख्यमंत्री ने राजसमंद में झील स्थित नौचौकी पाल पर झील आरती की। वे जालोर में सीलू घाट पर भी पहुंचे जहां उन्होंने मां नर्मदा की विधिवत पूजा-अर्चना की। वहीं, 20 जून को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जैसलमेर में प्राचीन गडीसर झील का पूजन व गंगा आरती कर अभियान का विधिवत समापन किया।

मुख्यमंत्री की प्रेरणा से यह अभियान आंदोलन में परिवर्तित हुआ। लाखों लोग अपने घर से निकले और जल संरक्षण कार्यों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। 20 जून तक के आंकड़ों के अनुसार अभियान के अन्तर्गत 3 लाख 70 हजार से अधिक कार्यक्रम आयोजित हुए हैं जिसमें 1.32 करोड़ महिलाओं सहित लगभग 2 करोड़ 53 लाख नागरिकों ने भाग लिया। 42 हजार 200 से अधिक जल स्त्रोतों के साथ ही, लगभग 73 हजार 900 से अधिक कार्यालयों, अस्पतालों एवं विद्यालयों की साफ-सफाई भी की गई है। इस अभियान में लगभग 18 हजार 900 पूर्ण कार्यों का अवलोकन-लोकार्पण हुआ और करीब 5 हजार 900 नए कार्यों का शुभारंभ भी किया गया है। इसके साथ ही आमजन ने जल संरक्षण गतिविधियों के अन्तर्गत लगभग 1 लाख 2 हजार से अधिक स्थानों पर श्रमदान भी किया।

अभियान के दौरान जल संचयन एवं जल स्त्रोतों को सहेजने का संदेश जन-जन तक पहुंचाने एवं जन-जागरूकता के लिए 13 हजार 600 ग्राम सभाएं, 6 हजार 800 प्रभात फेरियां, 9 हजार 800 कलश यात्राएं, 6 हजार विभिन्न प्रकार की चौपालें आयोजित की गई। इस दौरान सीएसआर एवं दानदाताओं के सहयोग से कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान में 3 हजार 200 रिचार्ज शाफ्ट का निर्माण भी करवाया गया।

कानून व्यवस्था की स्थिति पर ध्यान दे राज्य सरकार : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भरतपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य में दुष्कर्म, अपहरण जैसे बढ़ रहे अपराधों पर चिंता जताते हुए कहा है कि राज्य सरकार को कानून व्यवस्था की स्थिति को ठीक करना चाहिए। उत्तरप्रदेश में आगरा के पूर्व सांसद निहाल सिंह जैन की द्वितीय पुण्यतिथि में शामिल होने के लिए ट्रेन से आगरा जा रहे गहलोत ने रविवार को भरतपुर रेलवे स्टेशन पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मुलाकात एवं स्वागत के दौरान कहा कि बच्चियों से दुष्कर्म हो रहे हैं। अपहरण की वारदातें बढ़ रही हैं। मुख्यमंत्री शर्मा को राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति पर विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने राज्य सरकार पर राज्य में अघोषित रूप से बिजली की कटौती करने का आरोप लगाते हुए कहा कि मानसून आने के बाद भी बिजली पानी की समस्या से लोग जूझ रहे हैं।

सरकार को लोगों की मूलभूत समस्याओं पर ध्यान देना चाहिए। गहलोत ने कहा कि कांग्रेस के शासन में प्रशासन गांव के संग और प्रशासन शहरों के संग अभियान चल रहे थे, जिसमे आमजन के काम होते थे। उन अभियानों को शुरू करके सरकार को लम्बित कामों को पूरा करना चाहिए, क्योंकि सरकार बदलने के बाद लोगों को पट्टे तक नहीं मिल पाए।

ससुर के चेहरे पर पेट्रोल छिड़क कर बहू ने लगाई आग

अलवर। राजस्थान में खैरथल तिजारा जिले के तिजारा थाना क्षेत्र में राईखेड़ा गांव में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के सेवा निवृत्त हेड कांस्टेबल पर उसकी बड़ी बहू द्वारा पैट्रोल छिड़ककर आग लगाने का मामला सामने आया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना रविवार सुबह की है। सेवानिवृत्त लाल सिंह जोगी (65) ने अपनी बहू लक्षिता से खाना मांगा, लेकिन उसके इन्कार करने के बाद उनमें कहासुनी हो गयी।

इस पर गुस्से में लक्षिता ने उनके चेहरे पर पेट्रोल छिड़क दिया और आग लगा दी। घटना में लाल सिंह गंभीर रूप से झुलस गए। छोटी बहू और भतीजे ने आग बुझाकर उन्हें सामान्य अस्पताल में भर्ती कराया। पीड़ित लाल सिंह ने बताया कि यह कोई पहली घटना नहीं है, पहले भी वह गर्म चिमटे से दाग चुकी है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और आरोपों की पुष्टि के लिए परिवार के अन्य सदस्यों से भी पूछताछ कर रही है।

राजस्थान में अनेक जगह मूसलाधार बारिश

जयपुर। दक्षिण पश्चिम मानसून के असर से राजस्थान में बारिश का दौर जारी है और बीते चौबीस घंटे में अनेक जगह भारी से अति भारी बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार सबसे अधिक लगभग 180 मिलीमीटर बारिश माउंट आबू तहसील में हुई। राज्य में बारिश का दौर अभी जारी रहने का अनुमान है। जयपुर मौसम केंद्र के अनुसार रविवार सुबह साढ़े आठ बजे तक के चौबीस घंटे के दौरान पूर्वी राजस्थान में अधिकांश जगहों पर बारिश हुई वहीं कई जगह भारी से अति भारी बारिश हुई। पश्चिमी राजस्थान में भी बारिश हुई। इस दौरान माउंट आबू में 181.4 मिलीमीटर, भीलवाड़ा में 175 मिलीमीटर, कोटा में 44.9 मिलीमीटर, चित्तौड़गढ़ में 27 मिमी., जयपुर में 20.8 मिमी. व सीकर में 13 मिलीमीटर बारिश हुई। इसके अनुसार पूर्वी राजस्थान के कुछ भागों में आगामी दिनों में बारिश की गतिविधियां जारी रहने तथा भरतपुर, कोटा, जयपुर संभाग के कुछ भागों में 22-24 जून को कहीं भारी/अतिभारी बारिश होने की संभावना है।

छह साल से फरार इनामी मादक पदार्थ तस्कर गिरफ्तार

जोधपुर। जोधपुर पुलिस ने कई गंभीर अपराधों में वांछित और एक लाख रुपये के इनामी मादक पदार्थ तस्कर चीमाराम जाट को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह कुख्यात तस्कर छह साल से फरार था। पुलिस महानिरीक्षक विकास कुमार ने बताया कि गिरफ्तारी 'ऑपरेशन झंकार' के तहत पुलिस की विशेष 'साइक्लोनर' टीम द्वारा की गई।

बाड़मेर जिले के लीलसर गांव का निवासी चीमाराम पश्चिमी राजस्थान में मादक पदार्थों की तस्करी का सरगना और इलाके में मादक पदार्थों के सबसे बड़े नेटवर्क में से एक का मुख्य साजिशकर्ता माना जाता है।

जोधपुर और उदयपुर पुलिस रेंज में उस पर 50,000 रुपये का इनाम था। राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश में कम से कम छह पुलिस छापों के दौरान चीमाराम भागने में सफल रहा था। वह खुद को 'ट्रांसपोर्टर' बताकर दूसरे लोगों के साथ ट्रकों में यात्रा करता था और पुलिस से बचने के लिए बार-बार स्थान बदलता रहा।

विकसित राजस्थान के निर्माण में बेहतर सड़क तंत्र निभाएगा महत्वपूर्ण भूमिका : जोगाराम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने रविवार को जोधपुर के संगम नगर चामुंडा मंदिर परिसर में जोधपुर विकास प्राधिकरण की कुड़ी भगतासनी में रामेश्वर नगर में सड़क निर्माण कार्य लागत राशि 90.83 लाख रूपये और कुड़ी के संगम नगर में सड़क निर्माण कार्य लागत राशि 86.80 लाख रूपये का विधिवत शिलान्यास किया। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार सड़क तंत्र के सुदृढ़ीकरण के लिए कृत संकल्पित होकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा विकसित राजस्थान के निर्माण में बेहतर सड़क तंत्र महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। पटेल ने कहा बजट में सड़क तंत्र के सुदृढ़ीकरण एवं उन्नयन के लिए 7 हजार 690 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया है। उन्होंने कहा प्राथमिकता के आधार पर क्रमिक रूप से क्षेत्र की सभी सड़कों का निर्माण करवाया जा रहा है। पटेल ने कहा विश्व भर में 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' ध्येय को साकार करने के लिए मनाया गया। उन्होंने कहा विश्वभर में लाखों लोगों ने योगाभ्यास किया, जिसका श्रेय उन प्रतिष्ठित योग गुरुओं को जाता है जिन्होंने सदियों से इस परंपरा को संरक्षित रखा है।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान हरित और जल की दृष्टि से आत्मनिर्भर बनाने के लिए वन्दे गंगा जल संरक्षण जन अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा जल संरक्षण अभियान प्राचीन जल संरचनाओं को पुनर्जीवित करने का प्रयास है। पटेल ने कहा हमारे प्राचीन जल स्त्रोत विरासत और सामुदायिक जीवन के केंद्र रहे है।उन्होंने कहा आज बावड़ियो, कुओं, तालाब को संरक्षित रखने की आवश्यकता है।

पटेल ने कहा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के अथक प्रयासों के बदौलत जल जीवन मिशन की समयावधि वर्ष 2028 बढ़ाई गई है, जिससे प्रदेश में हर घर तक नल से जल पहुंचेगा।उन्होंने कहा बजट घोषणा के अनुरूप इस वर्ष में 20 लाख घरों में पेयजल कनेक्शन दिए जाएंगे। जोधपुर में पेयजल समस्या का स्थाई समाधान राजीव गांधी केनाल परियोजना के तृतीय चरण का कार्य पूर्ण होने पर होगा। पटेल ने कहा क्षेत्र में विद्युत तंत्र के सुदृढ़ीकरण के लिए 132 केवी के 2 और 33 केवी एक जीएसएस का निर्माण करवाया जा रहा है। उन्होंने कहा जीएसएस निर्माण एवं आरडीएसएस योजना का कार्य पूर्ण होने पर क्षेत्र में बिजली आपूर्ति की समस्या का स्थाई समाधान सुनिश्चित होगा।

अशांति के दौर में शांति का मार्ग दिखाता है योग : गोदारा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 के उपलक्ष्य में शनिवार को जिलेभर में जिला मुख्यालय से लेकर गांव-गांव तक हजारों लोगों ने सामूहिक योगाभ्यास कर आरोग्यता एवं वसुधैव कुटुम्बकम् का संदेश दिया। हनुमानगढ़ टाउन स्थित ऐतिहासिक भटनेर दुर्ग में जिला प्रशासन द्वारा आयुर्वेद विभाग और पतंजलि योगपीठ के संयुक्त तत्त्वावधान में जिला स्तरीय मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विशाखापट्टनम से संबोधन का सीधा प्रसारण किया गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज जब दुनिया में अशांति और अस्थिरता बढ़ रही है, तब योग शांति का मार्ग दिखाता है। जिले में कालीबंगा के पुरातात्विक स्थल, गोगामेड़ी स्थित गोगाजी समाधि जैसे धार्मिक व पर्यटन स्थलों पर भी योग कार्यक्रम आयोजित हुए। ब्लॉक स्तर और ग्राम पंचायतों पर विद्यालयों, स्टेडियमों और पार्कों में प्रशिक्षित योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में सामूहिक योगाभ्यास हुआ।

मुख्य समारोह में खाद्य, नागरिक आपूर्ति व उपभोक्ता मामले मंत्री सुमित गोदारा तथा प्रभारी सचिव डॉ. नीरज के पवन ने प्रातः 6:15 बजे दीप प्रज्वलन कर योग दिवस का शुभारंभ किया। योगाभ्यास की शुरुआत योग नाद और ॐ के उच्चारण से हुई। योग प्रशिक्षक श्रीमती रेणु चौधरी और श्रीमती अचला वर्मा ने शिथिलीकरण, खड़े होकर किए जाने वाले आसन, बैठकर किए जाने वाले आसन, उदर व पीठ के बल लेटकर किए जाने वाले आसनों का अभ्यास करवाया। इस दौरान कपालभाति, नाड़ी शोधन, अनुलोम-विलोम, शीतली और भ्रामरी प्राणायाम का अभ्यास भी कराया गया। ताड़ासन, वृक्षासन, त्रिकोणासन, भुजंगासन, पवनमुक्तासन, वज्रासन, प्राणायाम एवं ध्यान जैसी योग क्रियाएं भी करवाई गईं। मंच पर योग प्रशिक्षक चानणराम चौधरी, कुलदीप खिलेरी, रवि चौहान, शानु मीर, सुजाता, लक्षिता, प्रियंका शर्मा और शबनम ने योग मुद्राओं का अभ्यास करवाया। मंच संचालन योग प्रशिक्षक विजय कौशिक ने किया।

मंत्री सुमित गोदारा ने उपस्थित जनसमूह को योग और प्राणायाम का संकल्प दिलाया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ तन में ही स्वस्थ मन का वास होता है और स्वस्थ मन ही आरोग्यता का केंद्र होता है। उन्होंने सभी को नियमित योगाभ्यास करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि यह भारत के लिए गर्व की बात है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर वर्ष 2014 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 175 देशों के समर्थन से 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में घोषित किया। तब से यह दिवस विश्वभर में उत्साह से मनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप इस वर्ष योग कार्यक्रमों को धार्मिक व ऐतिहासिक स्थलों से जोड़कर आयोजित किया गया, जिससे न केवल योग को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि जिले की सांस्कृतिक धरोहरों को भी नई पहचान मिलेगी। इस अवसर पर मंत्री ने भटनेर दुर्ग स्थित हनुमानजी मंदिर में दर्शन किए।

जिला कलेक्टर काना राम ने कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं है, बल्कि यह जीवन जीने की एक कला है।

हर परिवाद पर गंभीरता से मंथन, अधिकारियों को दी मंत्री ने जवाबदेही सुनिश्चित करने की हिदायत

जयपुर/दक्षिण भारत। राज्य सरकार द्वारा आमजन से संवाद और समाधान की दिशा में किये जा रहे प्रयासों के तहत रविवार को सर्किट हाउस, जोधपुर में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने लोगों की समस्याएं विस्तार से सुनीं। उन्होंने प्रत्येक परिवाद को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को समयबद्ध और प्रभावी कार्यवाही के निर्देश दिए। पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास की भावना के साथ प्रदेश को समावेशी और संवेदनशील प्रशासन की ओर अग्रसर कर रही है। सरकार की प्राथमिकता है कि अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक राहत पहुंचे और उसका जीवन सुगम बने।

पटेल ने जनसेवा में लगे सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे पूर्ण संवेदनशीलता, निष्पक्षता और तत्परता के साथ कार्य करें। उन्होंने दोहराया कि जनसमस्याओं के समाधान में किसी भी स्तर पर लापरवाही या विलंब स्वीकार नहीं किया जाएगा। सुशासन की भावना तभी साकार होगी जब जवाबदेही और पारदर्शिता दोनों सुनिश्चित हों। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को शासन की नीति का संवाहक बनना चाहिए केवल आदेशपालक नहीं।

पटेल ने कहा कि जनसुनवाई केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि शासन और जनता के बीच सेतु है। इसका उद्देश्य न केवल समस्याएं सुनना है, बल्कि नागरिकों को यह विश्वास दिलाना भी है कि सरकार उनकी आवाज़ सुनती है और उस पर गंभीरता से कार्य करती है। स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल, बिजली, सड़क, सामाजिक सुरक्षा और राजस्व जैसी आधारभूत सेवाएं हर नागरिक का हक हैं, और इन्हें सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है।

जनसुनवाई के दौरान उच्च शिक्षा, पंचायतीराज, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, राजस्व, सार्वजनिक निर्माण, विद्युत वितरण, स्वायत्त शासन और जलापूर्ति जैसे विभागों से संबंधित परिवाद प्रस्तुत किए गए। हर प्रकरण को पटेल ने व्यक्तिगत रूप से सुना और संबंधित विभाग के अधिकारियों से वस्तुस्थिति की जानकारी लेकर त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि सभी शिकायतों का समाधान संतोषजनक, निष्पक्ष और समयबद्ध हो यह हर अधिकारी की सीधी जिम्मेदारी है।

नया उग्रवादी संगठन बनाने की कोशिश कर रहे युवाओं ने आत्मसमर्पण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम में एक नया उग्रवादी संगठन बनाने की कोशिश कर रहे 10 युवकों ने हथियार और गोला-बारूद के साथ पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है। यह जानकारी पुलिस ने रविवार को दी। पुलिस के अनुसार, यह सफलता कार्बी आंगलोंग पुलिस द्वारा खुफिया सूचना के आधार पर चलाए गए अभियानों और व्यापक संपर्क प्रयासों के चलते मिली।

असम पुलिस ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''शांति और प्रगति के लिए मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा जी के दृष्टिकोण के अनुरूप, कार्बी आंगलोंग पुलिस ने खुफिया जानकारी पर आधारित कई अभियान संचालित किए।''

पोस्ट में कहा गया, ''इसके परिणामस्वरूप 10 गुमराह युवकों ने एक एके-47 राइफल, तीन पिस्तौल, एक सिंगल बैरल बंदूक, एक हथगोला और गोला-बारूद के साथ आत्मसमर्पण कर दिया जो 'डीएचडी (यू)' के नाम से एक नया उग्रवादी संगठन बनाने की कोशिश कर रहे थे।''

पुलिस ने कहा कि असम पुलिस क्षेत्र की सुरक्षा और विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

असम के पुलिस महानिदेशक हरमीत सिंह ने भी इस अभियान की सराहना करते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, ''शांति सुनिश्चित करना हमारा उद्देश्य है।''

हर पीड़ित की समस्या पर तत्काल कार्रवाई हो

लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी: योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि हर पीड़ित की समस्या पर तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए, किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गयी।

बयान के मुताबिक गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार सुबह जनता दर्शन में पहुंचे लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और त्वरित व संतुष्टिपरक समाधान का भरोसा दिया। इसमें कहा गया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आश्वस्त किया कि सबको न्याय मिलेगा। जनता की समस्या सुनते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देशित किया, ''हर पीड़ित की समस्या पर तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए, इसमें हीलाहवाली बर्दाश्त नहीं की जाएगी।''

जनता दर्शन का आयोजन गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने किया गया था। इस दौरान करीब 200 लोगों से मुख्यमंत्री ने मुलाकात की।

मुख्यमंत्री ने सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

जनता दर्शन में दूसरे जिलों के भी लोग आए थे।

नीतीश कुमार ने सीतामढ़ी में प्रस्तावित 'जानकी मंदिर' का अंतिम डिजाइन साझा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सीतामढ़ी जिले के पुनौरा धाम में प्रस्तावित 'जानकी मंदिर' का रविवार को अंतिम डिजाइन साझा किया। इस स्थान को देवी सीता का जन्मस्थान माना जाता है। सरकार ने 'पुनौरा धाम जानकी मंदिर' के चल रहे पुनर्विकास कार्यों में तेजी लाने के लिए एक न्यास की भी स्थापना की है।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कई तस्वीरें साझा करते हुए एक पोस्ट में कहा, '' मुझे बताते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि जगत जननी मां जानकी की जन्मस्थली पुनौरा धाम, सीतामढ़ी को समग्र रूप से विकसित करने के लिये भव्य मंदिर सहित अन्य संरचनाओं का डिजाइन अब तैयार हो गया है, जिसे आपके साथ साझा किया जा रहा है।'' उन्होंने कहा, '' इसके लिए एक ट्रस्ट का भी गठन कर दिया गया है, ताकि निर्माण कार्य में तेजी आ सके। हमलोग पुनौरा धाम, सीतामढ़ी में भव्य मंदिर निर्माण शीघ्र पूरा कराने के लिये कृतसंकल्पित हैं। पुनौरा धाम में मां जानकी के भव्य मंदिर का निर्माण हम सभी बिहारवासियों के लिए गौरव और सौभाग्य की बात है।'' बिहार मंत्रिमंडल ने हाल ही में ''पुनौरा धाम जानकी मंदिर'' के विकास के लिए डिजाइन सलाहकार के तौर पर नोएडा की एक निजी कंपनी को जिम्मेदारी देने की मंजूरी दी थी। यह वही संगठन है, जो अयोध्या में राम मंदिर की मास्टर प्लानिंग और वास्तुकला सेवाओं के लिए सलाहकार था।

विदेशी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु पुनौरा धाम आते हैं। इससे पहले राज्य मंत्रिमंडल ने मंदिर के समग्र विकास के लिए 120 करोड़ रुपए मंजूर किए थे।

नीतीश कुमार ने 13 दिसंबर 2023 को पुनौरा धाम जानकी मंदिर के समग्र विकास की आधारशिला रखी थी।

नई विकास योजना के तहत राज्य सरकार 'सीता-वाटिका', 'लव-कुश वाटिका' विकसित करेगी, परिक्रमा पथ, डिस्प्ले कियोस्क, कैफेटेरिया, बच्चों के लिए क्षेत्र आदि का निर्माण कराएगी।

राज्य सरकार के मुताबिक, पुनौरा धाम को जोड़ने वाली सभी सड़कों का भी विकास किया जा रहा है। इसके अलावा, तीर्थ स्थल के चारों ओर थीम आधारित द्वार और पार्किंग क्षेत्र का निर्माण किया जा रहा है।

जलवायु परिवर्तन को लेकर

दुनिया को सख्त कदम उठाने की जरूरत है: जयराम रमेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने वैश्विक स्तर पर जलवायु परिवर्तन को लेकर चिंता जताते हुए रविवार को कहा कि दुनिया को इस मुद्दे पर अब सख्त कार्रवाई करने की जरूरत है, ना कि 2050 और उसके आगे के लिए नारे लगाने की।

पूर्व पर्यावरण मंत्री ने कहा कि भारत के दो वैज्ञानिकों सहित विश्व भर के प्रतिष्ठित संस्थानों के 60 वैज्ञानिकों ने वैश्विक जलवायु परिवर्तन के संबंध में अपना तीसरा वार्षिक 'अपडेट' प्रकाशित किया है। रमेश ने कहा कि यह एक व्यापक विश्लेषण है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''इस विश्लेषण से पता चला है कि पिछले दशक में कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में वृद्धि की दर 2000 के दशक की तुलना में धीमी हो गई है। लेकिन वैश्विक स्तर पर औसत समुद्र स्तर में वृद्धि जारी है।''

कांग्रेस नेता ने कहा, ''पृथ्वी का ऊर्जा असंतुलन काफी बढ़ गया है। यह एक ओर जलवायु को गर्म करने तथा दूसरी ओर जलवायु परिवर्तन के खिलाफ कार्य करने वाले विकिरण बलों के बीच अंतर को दर्शाता है।''

रमेश ने कहा कि सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि यदि सभी ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन वर्तमान स्तर पर जारी रहा तो मानव-जनित वैश्विक तापमान लगभग पांच वर्षों में 1.5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाएगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका की वर्तमान नीतियां इसे और आगे ले जा सकती हैं तथा कहा कि 2024 पहले से ही अब तक का सबसे गर्म वर्ष है। रमेश ने कहा, ''दुनिया को अब कठोर कार्रवाई की जरूरत है न कि 2050 और उसके आगे के लिए बड़े-बड़े नारे लगाने की है।'' उन्होंने उक्त विश्लेषण का लिंक भी साझा किया है।

लालू प्रसाद भ्रष्टाचार के प्रतीक और 'बिहार के गब्बर सिंह' : सम्राट चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने रविवार को राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (राजद)के अध्यक्ष लालू प्रसाद पर हमला करते हुए उन्हें ''भ्रष्टाचार का प्रतीक'' और ''बिहार का गब्बर सिंह'' बताया।

1975 में रिलीज हुई बॉलीवुड फिल्म 'शोले' में गब्बर सिंह मुख्य खलनायक था। चौधरी ने दावा किया कि पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद नीत राजद को इस साल के उत्तरार्ध में होने विधानसभा चुनावों में शर्मनाक हार का सामना करना पड़ेगा।

उपमुख्यमंत्री ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा, '' लालू प्रसाद बिहार के गब्बर सिंह हैं। जब तक वह जीवित हैं और राजनीति में सक्रिय हैं, लोग उनसे डरते रहेंगे। बिहार के लोग जानते हैं कि लालू प्रसाद भ्रष्टाचार के प्रतीक हैं।'' प्रसाद को चारा घोटाला मामलों में दोषी ठहराया जा चुका है। उन्होंने आरोप लगाया कि राजद अपराधियों से और प्रसाद का परिवार भ्रष्टचारियों से भरा है। चौधरी ने कहा,''उन्होंने (लालू और उनके परिवार ने) बिहार को लूटा है। बिहार के लोग लालू प्रसाद और उनकी पार्टी के बारे में जानते हैं। राज्य में आगामी विधानसभा चुनावों में उन्हें शर्मनाक हार का सामना करना पड़ेगा।''

'डिजिटल कनेक्टिविटी' में अरुणाचल प्रदेश बड़ी छलांग लगा रहा : पेमा खांडू

ईटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने कहा है कि राज्य 'डिजिटल कनेक्टिविटी' में बड़ी छलांग लगा रहा है तथा प्रौद्योगिकी न केवल दूरदराज के क्षेत्रों को जोड़ रही है, बल्कि समुदायों को सशक्त भी बना रही है। खांडू ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि राज्य भर में 3,500 से अधिक गांव अब 'फोर जी' मोबाइल कनेक्टिविटी का आनंद ले रहे हैं, जिससे ''डिजिटल अंतराल काफी कम हो गया है जो कभी ग्रामीण क्षेत्रों को देश के बाकी हिस्सों से अलग करता था।'' उन्होंने कहा, ''अरुणाचल डिजिटल राजमार्ग पर आगे बढ़ रहा है जो लोगों को जोड़ रहा है, समुदायों को सशक्त बना रहा है और अवसर पैदा कर रहा है।''

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि ईटानगर में आधिकारिक तौर पर 'फाइव जी' सेवाएं शुरू की गयी हैं, जो राज्य की राजधानी में हाई-स्पीड, अगली पीढ़ी के इंटरनेट सुलभता की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम है। खांडू ने कहा कि ग्रामीण कनेक्टिविटी के संदर्भ में 827 ग्राम पंचायतों को वीसैट (वेरी स्मॉल अपर्चर टर्मिनल) लिंक के माध्यम से सफलतापूर्वक जोड़ा गया है, जिससे सबसे दूरस्थ और चुनौतीपूर्ण इलाकों में भी भरोसेमंद उपग्रह-आधारित इंटरनेट पहुंच सुनिश्चित हो रहा है। उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त, डिजिटल भारत निधि पहल के तहत, व्यापक डिजिटल कवरेज प्रदान करने के लिए 531 स्थलों की योजना पहले ही बनाई जा चुकी है, जिसका महत्वाकांक्षी लक्ष्य राज्य भर में 1,042 गांवों को जोड़ना है।

झारखंड के पलामू में टीएसपीसी के 'एरिया कमांडर' को पकड़ा गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेदिनीनगर (झारखंड)/भाषा। झारखंड के पलामू जिले में भाकपा (माओवादी) से अलग हुए धड़े तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति समिति (टीएसपीसी) के एक 'एरिया कमांडर' को रविवार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि माओवादी की पहचान शंभू सिंह (24) के रूप में हुई है।

पलामू जिले की पुलिस अधीक्षक (एसपी) रेशमा रमेशन ने बताया कि सिंह को छतरपुर थाना क्षेत्र के पलवल गांव से उस समय गिरफ्तार किया गया, जब वह ग्रामीणों से उगाही करने वहां पहुंचा था। उन्होंने बताया कि सिंह 24 अक्टूबर 2024 को छतरपुर थाना क्षेत्र में पुलिस और टीएसपीसी सदस्यों के बीच हुई मुठभेड़ में शामिल था। रमेशन ने बताया कि सिंह छह विभिन्न मामलों में वांछित है।

ओडिशा में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर रह रहा अफगान नागरिक गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा पुलिस ने आव्रजन अधिकारियों की मदद से एक अफगान नागरिक को गिरफ्तार किया है जिस पर वर्ष 2018 से भारत में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर अवैध रूप से रहने और कटक शहर में व्यापार करने का आरोप है।

पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान मोहम्मद यूसुफ उर्फ याहा खान (54 वर्ष) के रूप में हुई है। मो. यूसुफ को शनिवार को गिरफ्तार किया गया और वह अफगानिस्तान के काबुल निवासी मोहम्मद नसीम खान का पुत्र है। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने अपना नाम बदलकर याहा खान, पुत्र मोती खान रख लिया और कटक शहर के बड़ामबाड़ी थाना क्षेत्र स्थित पेयेटन साही में रह रहा था। भुवनेश्वर-कटक के पुलिस कमिश्नरेट ने कहा, मोहम्मद यूसुफ को बीजू पटनायक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आव्रजन विभाग के उपाधीक्षक समापिका पटनायक की लिखित शिकायत के आधार पर पकड़ा गया। एक मामला दर्ज करके जांच शुरू की गई। उसे गिरफ्तार करके अदालत ले जाया गया। पुलिस के अनुसार, आरोपी 20 जून को दुबई से भुवनेश्वर पहुंचा था और आव्रजन जांच के दौरान उसने फर्जी भारतीय पासपोर्ट पेश किया। संदेह होने पर जांच की गई तो पता चला कि उसके खिलाफ कोलकाता हवाई अड्डे से 'लुकआउट सर्कुलर' जारी किया हुआ है। जांच में पता चला कि उसने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर आधार कार्ड, पैन कार्ड, मतदाता पहचानपत्र, ड्राइविंग लाइसेंस और पासपोर्ट बनवाया था। पुलिस ने बताया कि उससे पूछताछ के आधार पर मिली जानकारी पर उसके पास और उसके घर से कई फर्जी भारतीय दस्तावेज और व्यक्तिगत सामान बरामद किए गए।

आपातकाल की 50 वीं बरसी :

सामूहिक नसबंदी अभियान की खौफनाक यादें आज भी पीड़ितों को करती हैं परेशान

नई दिल्ली/भाषा। देश में आपातकाल के 1975 में आधिकारिक रूप से लागू होने से पहले, ग्रामीण इलाकों में छोटे बच्चे अक्सर बिना कपड़ों के बेफिक्री से दौड़ते-भागते नजर आते थे। लेकिन आपातकाल के दौरान हालात इतने भयावह हो गए कि लोगों ने मासूम बच्चों को भी कपड़े पहनाने शुरू कर दिए यह शालीनता की भावना से नहीं, बल्कि जबरन नसबंदी की आशंका से उपजा डर था, जिसने पूरे समाज को जकड़ लिया था।

देश 25 जून, 1975 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा भारत में लगाए गए आपातकाल की 50वीं बरसी मना रहा है। सामूहिक नसबंदी अभियान की यादें आज भी जीवित बचे पीड़ितों को परेशान करती हैं और सार्वजनिक स्वास्थ्य चर्चा को प्रभावित करती हैं। इनमें से कई लोगों की नसबंदी जबरदस्ती की गई थी। अकेले 1976 में, पूरे भारत में 80 लाख से अधिक लोगों की नसबंदी की गई। इनमें से ज्यादातर पुरुष थे, जिनमें से कई लोगों की नसबंदी स्वैच्छिक नहीं थी।

आपातकाल में रहा अध्यादेश का राज, मीसा में पांच संशोधन सहित 48 अध्यादेश लागू किए गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आपातकाल के दौरान तत्कालीन इंदिरा गांधी सरकार ने देश में कुल 48 अध्यादेश लागू किए थे जिसमें आंतरिक सुरक्षा कानून अधिनियम (मीसा) में संशोधन के लिए लाए गए पांच अध्यादेश भी शामिल थे। प्रशासन को बिना किसी वारंट के किसी भी व्यक्ति को गिरफ्तार करने का अधिकार देने वाले इस कानून को अक्सर 'दमनकारी' कानून की संज्ञा दी जाती है।

पचास वर्ष पहले 25 जून 1975 को लगाया गया आपातकाल 21 महीने जारी और इस दौरान सरकार ने कई बार संविधान में बदलाव किए जिसमें राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव को न्यायालयों के अधिकार क्षेत्र से बाहर रखा गया तथा संविधान की प्रस्तावना में 'समाजवादी', 'धर्मनिरपेक्ष' और 'अखंडता' जैसे शब्द जोड़ना जोड़े गए। विभिन्न कानूनों में संशोधनों से सत्ता संतुलन केंद्र सरकार के पक्ष में हो गया और न्यायपालिका की शक्तियों में कटौती कर दी गई।

देश में आपाताकाल लागू होने पर कुछ ही दिनों के भीतर 29 जून 1975 को सरकार ने मीसा में बदलाव करने के लिए पहला अध्यादेश जारी किया। आपातकाल के दौरान मीसा (संशोधन) अध्यादेश को और चार बार लागू किया गया तथा संसद द्वारा उसे मंजूरी दे दी गई। अगले ही दिन राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद ने एक अध्यादेश भारत रक्षा अधिनियम (संशोधन) लागू किया, जिससे सरकार को देश में शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए ज्यादा शक्तियां मिल गईं। आपातकाल के दौरान संसद के संक्षिप्त सत्र आयोजित किए गए। विपक्ष के कई नेता सलाखों के पीछे थे और कांग्रेस ने अपने प्रचंड बहुमत का इस्तेमाल करते हुए कई अध्यादेशों पर संसदीय मोहर लगवाने के लिए मसौदा विधेयक को पारित कर दिया। लोकसभा के पूर्व महासचिव पी.डी.टी. आचारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''आपातकाल के दौरान संसद के सत्र सामान्य से कम थे, जिनमें से अधिकांश सत्र नए विधेयकों को पारित करने के साथ ही अध्यादेशों के स्थान पर लाए गए विधेयकों को मंजूरी देने के लिए आहूत किए गए थे।''

मुजफ्फरनगर में कूड़ेदान में जीवित मिला नवजात शिशु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुजफ्फरनगर (उप्र)/भाषा। मुजफ्फरनगर जिले के जानसठ थाना क्षेत्र में रविवार को एक नवजात शिशु कूड़ेदान से जीवित मिला। पुलिस ने यह जानकारी दी।

थाना प्रभारी (एसएचओ) राजीव शर्मा के अनुसार, बच्चे को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। उन्होंने बताया कि पुलिस उस महिला की तलाश कर रही है जो बच्चे को छोड़कर गई है।

थाना प्रभारी शर्मा के मुताबिक, कुछ स्थानीय लोगों ने कूड़ेदान में बच्चे को अपने पैर हिलाते हुए देखा था। उन्होंने बताया कि संदेह है कि किसी महिला ने सुबह-सुबह अपने बच्चे को छोड़ दिया होगा।

बिहार मे इराक के नागरिक को किया गया गिरफ्तार

मोतिहारी (बिहार)/भाषा। बिहार के पूर्वी चंपारण जिले में इराक के एक नागरिक को पड़ोसी देश नेपाल में ''अवैध'' तरीके से घुसने की कोशिश करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। रक्सौल अनुमंडल के प्रभारी पुलिस उपाधीक्षक धीरेंद्र कुमार के मुताबिक, शनिवार को गिरफ्तार किए गए व्यक्ति की पहचान बगदाद के निवासी फौजी हामिद अल बयाती (47) के रूप में हुई है। कुमार ने कहा, ''उसे स्थानीय पुलिस और आव्रजन विभाग की संयुक्त टीम ने पकड़ा। उसने दावा किया कि वह दुबई की एक कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर है और वह पर्यटक वीजा पर भारत आया था।'' पुलिस उपाधीक्षक ने कहा, ''इराकी नागरिक ने दावा किया कि वह तीसरी बार भारत आया है। उसने यह भी कहा कि वह अपनी कंपनी के लिए लोगों की भर्ती करने आया था।''

निर्वाचन आयोग ने भाजपा के दबाव में वीडियो फुटेज नष्ट करने का फैसला लिया: अखिलेश यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

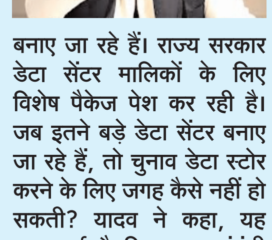

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को कहा कि चुनाव प्रक्रिया के 45 दिन बाद वीडियो फुटेज नष्ट करने का निर्वाचन आयोग का फैसला संभवतः भाजपा के दबाव में लिया गया है।

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने प्रेस वार्ता के दौरान एक सवाल के जवाब में कहा, हम इसका विरोध करेंगे और अपने विचार रखेंगे। अगर सवाल यह है कि डेटा कहां स्टोर किया जाए, तो इस पर विचार करें: देश के अधिकांश घरों और दुकानों में सीसीटीवी कैमरे लगे हैं; डेटा घरों और दुकानों में भी संग्रहीत है। उन्होंने कहा, यह सरकार दावा करती है कि देश के सबसे बड़े डेटा सेंटर उत्तर प्रदेश में बनाए जा रहे हैं। राज्य सरकार डेटा सेंटर मालिकों के लिए विशेष पैकेज पेश कर रही है। जब इतने बड़े डेटा सेंटर बनाए जा रहे हैं, तो चुनाव डेटा स्टोर करने के लिए जगह कैसे नहीं हो सकती? यादव ने कहा, यह महत्वपूर्ण है कि चुनाव संबंधी डेटा सुरक्षित रखा जाए। तभी कभी कोई शिकायत होने पर कार्रवाई की जा सकेगी। मुझे लगता है कि निर्वाचन आयोग भाजपा के दबाव में ऐसा निर्णय ले रहा है। आयोग ने अपने इलेक्ट्रॉनिक डेटा का उपयोग 'दुर्भावनापूर्ण विमर्श' गढ़ने के लिए किए जाने की आशंका के चलते अपने राज्य निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिया है कि यदि 45 दिन में चुनाव को अदालत में चुनौती नहीं दी जाती तो वे सीसीटीवी कैमरा, वेबकास्टिंग और चुनाव प्रक्रिया के वीडियो फुटेज को नष्ट कर दें।

मतदान केंद्रों की वेबकास्टिंग फुटेज सार्वजनिक करने की मांग उठने के बाद आयोग के अधिकारियों ने कहा कि इससे मतदाताओं की निजता और सुरक्षा संबंधी चिंताओं का उल्लंघन होगा। उन्होंने कहा कि हालांकि ऐसी मांगें काफी वास्तविक लग सकती हैं और इस विमर्श के अनुकूल हो सकती हैं कि यह मतदाताओं के हित में है और लोकतांत्रिक प्रक्रिया की रक्षा के लिए है, लेकिन वास्तव में यह प्रतिकूल हैं। मुरादाबाद जिले की कुंदरकी विधानसभा के उपचुनाव में मतदान का जिक्र करते हुए, यादव ने कहा कि उस समय की सीसीटीवी फुटेज निकालनी चाहिए, जिसमें तमाम गड़बड़ी हुई।

राजनीति में रूचि नहीं , लेकिन भारत का कोच बनने से ऐतराज नहीं : गांगुली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने राजनीति में प्रवेश से इनकार किया लेकिन कहा कि भारतीय टीम का कोच बनने से उन्हें ऐतराज नहीं है। जुलाई में 53 साल के होने जा रहे गांगुली 2018 . 19 और 2022 . 24 के बीच दिल्ली कैपिटल्स के टीम निदेशक रहे।

क्या वह भारतीय टीम का कोच बनना चाहेंगे , यह पूछने पर उन्होंने पीटीआई को दिये पॉडकास्ट इंटरव्यू में कहा ,''मैने इसके बारे में सोचा नहीं क्योंकि मैं अलग अलग भूमिकाओं में रहा हूं।'' उन्होंने कहा ,'' मैने 2013 में प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलना छोड़ा और फिर बीसीसीआई अध्यक्ष बन गया।'' उनसे जब कहा गया कि वह भारत का कोच बनकर और भी योगदान दे सकते थे, तो गांगुली ने कहा ,'' देखते हैं कि आगे क्या होता है। मैं 50 (53) साल का ही हूं। देखते हैं कि क्या होता है। मुझे इससे ऐतराज नहीं है। देखते हैं।'' यह तो तय है कि वह राजनीति में नहीं उतरने वाले। यह पूछने पर कि पश्चिम बंगाल में 2026 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले क्या वह किसी राजनीतिक दल से जुड़ेंगे, उन्होंने मुस्कुराकर कहा ,'' मेरी कोई दिलचस्पी नहीं है।''

अगर उन्हें प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाये जाने की पेशकश की जाये तो ? इस पर भी उन्होंने कहा ,'' मेरी कोई रूचि नहीं है।'' गांगुली से पूछा गया कि अगर उन्हें मौका मिले तो वह किस पार्टी से जुड़ना चाहेंगे, बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने कहा कि उन्होंने कभी इस बारे में नहीं सोचा है। उन्होंने कहा, '' यह उतना आसान नहीं है जितना आप सोचते हैं। मुझे हर साल राजनीति में प्रवेश करने का अवसर मिलता है, लेकिन मुझे नहीं लगता कि यह मेरे बस की बात है। मुझे राजनीति में कोई दिलचस्पी नहीं है, मैं सिर्फ देखता हूं क्योंकि एक देश और एक राज्य की प्रगति सीधे तौर पर शासन करने वाले लोगों से जुड़ी होती है।'' गांगुली ने मौजूदा कोच गौतम गंभीर की तारीफ करते हुए कहा कि दुबई में चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद से उन्होंने लय पकड़ ली है। उन्होंने कहा ,''गौतम अच्छा कर रहा है। शुरूआत धीमी रही जब ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड से हारे लेकिन चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद उन्होंने लय पकड़ ली। इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला बहुत महत्वपूर्ण होगी।'' गंभीर कितने कुशल रणनीतिकार हैं, यह पूछने पर उन्होंने गंभीर के जुनून और बेलागपन की तारीफ की।

सुविचार

राधा का इंतज़ार प्रेम की वो सबसे गहरी परीक्षा थी, जिसमें उन्होंने सिर्फ पास ही नहीं किया, बल्कि प्रेम का नया अर्थ लिखा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अमेरिकी हमला : युद्ध समाप्त या नई शुरुआत?

इजराइल-ईरान भिड़ंत के बीच अमेरिका के हस्तक्षेप से युद्ध की आग और ज्यादा भड़कने की आशंका है। अब तक इजराइल अकेला जूझ रहा था। अमेरिका के आने से उसकी हिम्मत बढ़ेगी। वहीं, ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई की प्रतिष्ठा दांव पर लग गई है। अगर वे अमेरिका और इजराइल के खिलाफ बड़े सैन्य कदम उठाएंगे तो जवाबी हमला कहीं ज्यादा घातक हो सकता है। उससे ईरान में जान-माल के भारी नुकसान की आशंका होगी। अगर खामेनेई शिकस्त कबूल कर लेंगे और कोई बड़ा पलटवार नहीं करेंगे तो ईरान में आक्रोश भड़क सकता है। वहां सर्वोच्च नेता के विरोधियों की कमी नहीं है। जब लोगों को यह महसूस होगा कि खामेनेई के जंगी जुनून की वजह से उन्हें बहुत नुकसान उठाना पड़ा है और सर्वोच्च नेता देश के गौरव की रक्षा करने में विफल रहे हैं तो एक बार फिर उनके खिलाफ नारे गूंज सकते हैं। ऐसे में खामेनेई के सामने बड़ी चुनौती होगी। उन पर भारी दबाव होगा कि वे खुद को ऐसे नेता की तरह दिखाएं, जिसे ताकतवर दुश्मन झुका नहीं सका। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने युद्ध में इजराइल का साथ देने के बारे में दो सप्ताह में फैसला लेने की बात कहकर ईरान को भ्रमित करने की कोशिश की थी। हालांकि यह देश उनके ऐसे बयानों को संदेह की दृष्टि से ही देखता है। ट्रंप के आदेश पर ईरान के तीन परमाणु ठिकानों पर जोरदार बमवर्षा की गई। अमेरिकी राष्ट्रपति इसे 'अत्यंत सफल हमला' बता रहे हैं, लेकिन कुछ मीडिया रिपोर्टों में किया गया यह दावा संपूर्ण कार्रवाई पर सवालिया निशान लगाता है कि बंकर-बस्टर्स बमों की रेंज 65 मीटर थी, जबकि परमाणु ठिकाने उससे भी काफी नीचे थे! अभी ट्रंप अपनी पीठ थपथपा रहे हैं। अगर भविष्य में खुफिया रिपोर्टों में इस बात की पुष्टि हुई कि अमेरिकी हमले के बावजूद ईरान का परमाणु कार्यक्रम सुरक्षित रहा, तो ट्रंप क्या करेंगे? क्या उस सूरत में अमेरिका एक बार फिर धावा बोलेगा?

जब ईरान के परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी विमान कहर बरपा रहे थे, तब 'सिचुएशन रूम' में बैठे ट्रंप अपने समर्थकों को खास संदेश दे रहे थे। उनकी टोपी पर लिखे पसंदीदा वाक्य 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' को पढ़कर उन्हें महसूस होगा कि हमारे नेता देश को महान बनाने के लिए सच में ही कुछ कर रहे हैं। ईरान पर अमेरिका के हमले की आशंका के मद्देनजर वहां कई जगह विरोध-प्रदर्शन हो रहे थे। अब चूंकि हमला हो चुका है, इसलिए ट्रंप अपने विरोधियों को भी साधने की कोशिश कर रहे हैं। वे उन्हें बताना चाहते हैं कि 'इस कार्रवाई से दुनिया अधिक सुरक्षित हुई है और इसका श्रेय मुझे मिलना चाहिए।' नोबेल शांति पुरस्कार पाने के लिए ट्रंप की महत्वाकांक्षा किसी से छिपी हुई नहीं है। हालांकि अब यह पुरस्कार पाने का उनका सपना धूमिल हो सकता है। अमेरिका की कार्रवाई से सबसे ज्यादा खुशी इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को हो रही होगी। वे अपनी मिसाइलों और ड्रोन्स के जरिए अब तक जिन ठिकानों को निशाना नहीं बना सके थे, वहां अमेरिकी विमानों ने तबाही मचा दी। वे इसे इजराइली नागरिकों में अपनी कूटनीतिक और सैन्य जीत के तौर पर प्रचारित करेंगे। इस युद्ध में ईरान को भले ही जान-माल का ज्यादा नुकसान हुआ हो, लेकिन उसने इजराइल को भी गहरी चोट पहुंचाई है। अमेरिकी हवाई हमले के बाद इजराइल में सोशल मीडिया पर लोगों के उत्साह में बढ़ोतरी देखी जा सकती है। उन्हें लगता है कि अब यह युद्ध समाप्ति की ओर है। सात अक्टूबर, 2023 की घटना के बाद हमास, हिज्बुल्ला जैसे संगठनों की कमर तोड़ते हुए, अब सीधे ईरान से टक्कर लेने के फैसले तक इजराइली काफी थक चुके हैं। वे चाहते हैं कि युद्ध जल्द खत्म हो और वे सामान्य जीवन जीएं। इन दिनों इजराइल के कई शहरों में खूब सायरन बज रहे हैं और लोगों को अचानक सुरक्षित ठिकानों की ओर दौड़ लगानी पड़ रही है। अगर इजराइल और ईरान की सरकारें एक सम्मानजनक समझौते पर अमल करते हुए युद्ध विराम कर लें तो अपने नागरिकों पर बड़ा उपकार करेंगी।

ट्वीटर टॉक

भरतपुर वाले ज्यादा जानते हैं, भरतपुर के लोगों को अहसास हुआ होगा कि हमारे अपने घर का जो सदस्य है वो मुख्यमंत्री बन गया, इससे बड़े गर्व की बात क्या होगी। मैं समझता हूं कि मैं तो उनको शुभकामनाएं दूंगा कि भाई आप अच्छा काम करके दिखाओ।

-अशोक गहलोत

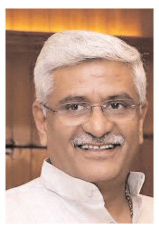

ऊँट केवल आजीविका के लिए एक उपयोगी जीव नहीं है अपितु विशेषकर राजस्थान और गुजरात की संस्कृति और परंपरा का एक प्रतीक है। रेगिस्तान के जहाज़ को अपना आदर्श सहयोगी भी समझें। संस्कृति के संवाहकों से लगाव हमें संरक्षण की ओर ले जाता है।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

राष्ट्र के उत्थान हेतु समर्पित भारतीय जनसंघ की स्थापना में अमूल्य भूमिका निभाने वाले, भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री सुंदर सिंह भंडारी जी की पुण्यतिथि पर उन्हें कोटिशः नमन। उनके राष्ट्रवादी विचार सदा सर्वदा हम सभी का जीवन पथ आलोकित करते रहेंगे।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

बुद्ध का बोध

एक बार भगवान बुद्ध अपने शिष्यों के साथ वन भ्रमण पर थे। उस घने निर्जन वन में उन्होंने एक स्त्री को विलाप करते हुए देखा। पूछने पर पता चला कि उसका बच्चा एक बाघ का शिकार हो गया था। बुद्ध ने उससे पूछा, 'तुम इस निर्जन वन में क्यों रहती हो? यहां तो खतरा ही खतरा है।' स्त्री ने उत्तर दिया, 'भंते! मैं एक ऐसे राज्य में रहती थी, जहां का राजा अत्यंत अत्याचारी था। वहां के लोगों पर करों का बोझ, अन्याय और हिंसा इतनी थी कि जंगल का खतरा भी उसके शासन से बेहतर लगा। यहां बाघ ने मेरे बच्चे को मार डाला, पर वहां तो राजा ने हजारों बच्चों के भविष्य को ही नष्ट कर दिया।' इस पर बुद्ध ने अपने शिष्यों से कहा, 'यह सच है। क्रूर शासक का शासन जंगली जानवरों से भी अधिक भयावह होता है।'

सामयिक

आर्थिक महाशक्ति बनने के लिए ज़रूरी है रेअर अर्थ में आत्मनिर्भरता

हरीश शिवनानी
मोबाइल : 9829210036

पूरी दुनिया का ध्यान इस समय जब ईरान- इज़राइल और गाजा संघर्षों में उलझा है, इसी दौर में भारत, अमेरिका सहित अनेक देश एक अन्य महत्वपूर्ण मुद्दे पर उलझे हैं। यह मुद्दा है धरती के गर्भ में पाए जाने वाले उन 17 दुर्लभ खनिजों का, जिनके बगैर ऑटोमोबाइल और सैन्य-रक्षा सहित विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों का निर्माण संभव नहीं। पिछले कुछ महीनों में हालात ज़्यादा विकट होने लगे हैं। 'रेअर अर्थ' की श्रेणी में आने वाले दुर्लभ खनिज केवल वाणिज्यिक,औद्योगिक संसाधन मात्र नहीं हैं, ये तकनीकी संप्रभुता, रक्षा तैयारियों और भविष्य की औद्योगिक,आर्थिक व सैन्य महाशक्ति बनने की संभावनाओं की नींव हैं। इनमें भी रेअर अर्थ मैग्नेट खासा महत्वपूर्ण है।

रेअर अर्थ मेटल 17 धातु तत्वों का एक समूह है, जिसमें 15 लैंथेनाइड्स धातुओं के अलावा स्कैंडियम और यिट्रियम शामिल हैं। इनमें चुंबकीय, ल्यूमिनसेंट और इलेक्ट्रोकेमिकल के विशेष गुण होते हैं, जिनका उपयोग आधुनिक उच्च तकनीक उद्योग में किया जाता है। स्मार्टफोन, लैपटॉप और इलेक्ट्रिक वाहन बनाने के साथ मिसाइल, राडार और अत्याधुनिक हथियार बनाने के लिए ये 'अनिवार्य तत्व' हैं। रेअर अर्थ मैग्नेट सामान्य आयरन मैग्नेट से 20 गुना अधिक ताकतवर होता है और कारों तथा कई अन्य उपकरणों में लगने वाली इलेक्ट्रिक मोटरों को बनाने के लिए ज़रूरी है। यूएस भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण डेटा पर आधारित एक नये ग्लोबल मैप के मुताबिक यों तो कई देशों में इन दुर्लभ तत्वों के भंडार हैं लेकिन सर्वाधिक चीन में 44 मिलियन मीट्रिक टन भंडार है। चीन के बाद अफ्रीका,मोरक्को और दक्षिण अफ्रीका,चिली, ब्राजील,यूक्रेन और ग्रीनलैंड में दुर्लभ अर्थ मेटल्स विशाल भंडार हैं। दिक्कत यह है कि इन देशों में इसकी खुदाई और प्रोसेसिंग बहुत महंगी है। इससे भारी मात्रा में प्रदूषण भी निकलता है। इन सब में चीन के पास ही इनकी प्रोसेसिंग की क्षमता है। वर्तमान में दुलर्भ पृथ्वी धातुओं का 61 प्रतिशत भंडार चीन में है और पूरी दुनिया में 90 फीसदी वही निर्यात करता है। इन तत्वों को एक-दूसरे से अलग करना बेहद जटिल है। इसीलिए इन्हें 'रेअर' माना जाता है। रेअर अर्थ की वैश्विक सप्लाई चेन में चीन का दबदबा है। आधुनिक इंडस्ट्री में इनका महत्व यों समझा जा सकता है कि चीन ने जब अप्रैल में रेअर अर्थ मैग्नेट समेत छह तरह के बहुमूल्य धातुओं के निर्यात पर रोक लगाने का फैसला किया तो वैश्विक कंपनियों में खलबली मच गई और ऑटोमोबाइल उद्योग को विशेष रूप से झटका लगा क्योंकि इलेक्ट्रिक वाहनों में इस्तेमाल होने वाले शक्तिशाली इंजन मैग्नेट नियोडिमियम से बनते हैं। भारत में भी टाटा मोटर्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज मोटर्स दबाव में आ गए। सुजूकी कंपनी को अपनी स्विफ्ट कार का निर्माण कुछ समय के लिए स्थगित करना पड़ा। ऐसा नहीं है कि भारत में ये दुर्लभ तत्व नहीं मिलते; भारत के पास तो विश्व में पांचवां सबसे बड़ा दुर्लभ खनिज भंडार है-करीब 6.9 मिलियन मीट्रिक टन। दुनिया में भारत की हिस्सेदारी छह फीसदी है। इनमें केरल में थोरियम सैंड के अलावा आंध्रप्रदेश, ओडिशा, राजस्थान में भी इसके भंडार हैं ; लेकिन दुनिया भर की आपूर्ति का भारत में महज एक प्रतिशत हिस्सा ही उत्पादित होता है। इन खनिजों की तलाश, खदान का काम अब तक मोटे तौर पर सरकार के जिम्मे रहा है। ब्यूरो आफ माइंस और परमाणु ऊर्जा विभाग ये काम करते रहे हैं। खनन और शोधन का काम 'इंडियन रेयर अर्थ्स लिमिटेड' के पास रहा है लेकिन यह विडंबना है कि भारत अभी ऐसी तकनीक, मैकेनिज़्म नहीं खड़ा कर पाया है जो इन खनिजों से मैग्नेट बनाकर खुद की ज़रूरतें पूरी कर सके। भारत में जितने भी दुर्लभ अर्थ मैग्नेट उपयोग में आते हैं, वे अधिकतर चीन से आयात किए जाते हैं। वर्ष 2023-24 में भारत ने 2270 टन और पिछले वित्तीय वर्ष में करीब 53,748 मीट्रिक टन मैग्नेट आयात किए। इनका करीब अस्सी फीसदी चीन से ही आयात हुआ।

इस हालात को देखते हुए भारत ने अपने दुर्लभ खनिजों को रणनीतिक संपत्ति की तरह देखना शुरू कर दिया है। इसी रणनीति के चलते भारत ने पिछले 13 वर्षों से जापान के साथ चल रहे समझौते को निलंबित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। जिसके तहत 'इंडियन रेयर अर्थ्स लिमिटेड' द्वारा खनन किए गए दुर्लभ खनिज, विशेषकर नियोडिमियम जापान भेजे जाते थे, लेकिन भारत ने तय किया है कि वह अपने घरेलू उद्योगों की ज़रूरतों को प्राथमिकता देगा और चीन पर निर्भरता कम करेगा। इसी उद्देश्य के साथ 'इंडियन रेयर अर्थ्स लिमिटेड' ने सरकार से घरेलू स्तर पर प्रसंस्करण और रिफाइनिंग की क्षमता विकसित करने के लिए चार नए खदानों की मंजूरी मांगी है। कंपनी ने ओडिशा में एक एक्सट्रैक्शन प्लांट और इसी रणनीति के तहत एक रिफाइनिंग यूनिट भी स्थापित की गई है। राजस्थान के जोधपुर संभाग के बालोतरा क्षेत्र की सिवाना और आसपास की पहाड़ियों में इन दुर्लभ खनिजों की मौजूदगी पर केंद्र सरकार के परमाणु ऊर्जा विभाग की आधिकारिक पुष्टि के बाद जोधपुर में 'रेअर अर्थ एक्सीलेंस सेंटर' बनाने का प्रस्ताव भी सरकार के पास है। बालोतरा में 1 लाख 11 हजार 845 टन दुर्लभ मृदा तत्व ऑक्साइड मिलने की संभावना है। भारत का लक्ष्य है कि 2026 तक वह 450 मीट्रिक टन नियोडिमियम का उत्पादन करे और 2030 तक इसे दोगुना कर दे। भारत को वैश्विक आर्थिक महाशक्ति बनने के लिए यह अब अनिवार्य हो गया है कि दुर्लभ तत्वों की तकनीक में अपने धुर प्रतिद्वंद्वी देश पर निर्भरता को घटाते हुए आत्मनिर्भरता के प्रयास किए जाएं।

खेल

आधुनिक ओलम्पिक खेलों के 129 वर्ष

योगेश कुमार गोयल
मोबाइल : 9416740584.

भारत आधुनिक ओलम्पिक खेलों में 105 वर्ष का सफर पूरा कर रहा है। भारत ने पहली बार वर्ष 1900 में ओलम्पिक में हिस्सा लिया था। तब भारत की ओर से केवल एक एथलीट नॉर्मन प्रिचर्ड को भेजा गया था, जिसने एथलेटिक्स में दो रजत पदक जीते थे। हालांकि भारत ने अधिकारिक तौर पर पहली बार 1920 में ओलम्पिक खेलों में हिस्सा लिया था। 2024 में पेरिस ओलम्पिक में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 6 पदक भारत की झोली में डाले थे जबकि उससे पहले 2021 में टोक्यो ओलम्पिक में भारत 7 पदक जीतने में सफल हुआ था। ओलम्पिक खेलों की शुरूआत करीब 2798 वर्ष पूर्व ग्रीस में जीयस के पुत्र हेराकल्स द्वारा की गई मानी जाती है किन्तु ऐसी धारणा है कि यह खेल उससे भी काफी पहले से ही खेले जाते रहे थे। 776 ईसा पूर्व विधिवत रूप से शुरू हुए ओलम्पिक खेलों का सिलसिला उसके बाद निर्बाध रूप से 393 ई. तक अर्थात 1169 वर्षों तक चलता रहा। इन खेलों के माध्यम से ऐसा प्रदर्शन किया जाता था, जो मानव की शक्ति, गति एवं ऊर्जा का परिचायक माना जाता था। प्राचीन ओलम्पिक खेलों का आयोजन ईश्वर को श्रद्धांजलि देने के लिए किया जाता था।

अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक दिवस मनाए जाने की शुरूआत 23 जून 1948 को हुई थी। दरअसल आधुनिक ओलम्पिक खेलों का पहला आयोजन तो वर्ष 1896 में हुआ था लेकिन अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति (आईओसी) की स्थापना पियरे द कुबर्तिन द्वारा 23 जून 1894 को की गई थी, जिसके प्रथम अध्यक्ष बने थे यूनानी व्यापारी डेमट्रियोस विकेलास। आईओसी का मुख्यालय स्विटज़रलैण्ड के लॉजेन में स्थित है और वर्तमान में दुनियाभर में 205 राष्ट्रीय ओलम्पिक समितियां इसकी सदस्य हैं।

आईओसी के स्थापना दिवस 23 जून को ही बाद में अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति द्वारा प्रतिवर्ष ओलम्पिक दिवस के रूप में मनाया जाना शुरू किया गया। आईओसी द्वारा प्रत्येक चार वर्ष के अंतराल पर ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक खेल, शीतकालीन ओलम्पिक खेल और युवा ओलम्पिक खेल का आयोजन किया जाता है। पहला ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक वर्ष 1896 में यूनान के एथेंस में तथा पहला शीतकालीन ओलम्पिक 1924 में फ्रांस के चेमोनिक्स में आयोजित किया गया था। ओलम्पिक दुनिया की सबसे बड़ी खेल प्रतियोगिता है, जिसमें दो सौ से ज्यादा देश हिस्सा लेते हैं।

फ्रांस के युवा शिक्षाशास्त्री पियरे द कुबर्तिन ने आधुनिक ओलम्पिक खेलों की आधारशिला रखी थी और उनके द्वारा 23 जून 1894 को अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति की स्थापना किए जाने के बाद नए रूप में 1896 से आधुनिक ओलम्पिक खेलों का आयोजन शुरू हुआ। उसके बाद ओलम्पिक खेल प्राचीन ओलम्पिक खेलों की ही भांति हर चार वर्ष के अंतराल पर आयोजित किए जाने लगे। एक जनवरी 1863 को जन्मे पियरे द कुबर्तिन की उम्र उस वक्त सिर्फ सात साल थी, जब 1870 में फ्रैंच-परसियन लड़ाई में जर्मनी ने फ्रांस पर कब्जा कर लिया था। माना जाता है कि उस हार के कुछ वर्षों बाद कुबर्तिन इसका विश्लेषण करने पर इस नतीजे पर पहुंचे कि फ्रांस की हार का कारण उसकी सैन्य कमजोरियां नहीं बल्कि फ्रांसीसी सैनिकों में ताकत की कमी थी। जर्मन, ब्रिटिश और अमेरिकन बच्चों की शिक्षा का अध्ययन करने के बाद कुबर्तिन ने पाया कि उन्हें ताकतवर और हर क्षेत्र में अग्रणी बनाने में खेलों में उनकी भागीदारी की सबसे प्रमुख भूमिका थी जबकि फ्रांसीसी खेलों में भागीदारी के मामले में काफी पिछड़े थे। उसके बाद कुबर्तिन ने कोशिशें की कि फ्रांसीसियों को किसी भी तरह खेलों के प्रति आकर्षित किया जाए लेकिन उन्हें इन प्रयासों में उत्साहजनक सफलता नहीं मिली किन्तु कुबर्तिन अपने इरादों पर दृढ़ थे।

वर्ष 1890 में कुबर्तिन ने 'यूनियन डेस सोसायटीज फ्रांसीसीज द स्पोटरस एथलेटिक्स' नामक एक खेल संगठन की नींव रखी और उसके दो वर्ष बाद कुबर्तिन के दिमाग में ओलम्पिक खेलों को पुनर्जीवन देने का विचार आया। खेल संगठन की 25 नवम्बर 1892 को पेरिस में हुई एक मीटिंग में उन्होंने इस संबंध में अपने विचार भी रखे किन्तु उनके उस भाषण से कुछ हासिल नहीं हुआ। उसके दो वर्ष बाद कुबर्तिन ने 9 देशों के कुल 79 डेलीगेट्स की एक मीटिंग आयोजित की। इस मीटिंग में कुबर्तिन ने पूरे उत्साह से ओलम्पिक खेलों की नए सिरे से पुनः शुरूआत करने संबंधी भाषण दिया और इस बार वह लोगों को अपने विचारों से प्रभावित करने में सफल हुए। कांफ्रेंस में सभी डेलीगेट्स ने एकमत से ओलम्पिक खेल कराए जाने के पक्ष में वोट दिया और तय किया गया कि कुबर्तिन इन खेलों के आयोजन के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय समिति का गठन करें। उसके बाद 'अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति' का गठन हुआ, जिसके प्रथम अध्यक्ष के रूप में ग्रीस के डेमट्रियोस विकेलास का चयन हुआ। प्रथम ओलम्पिक खेलों के आयोजन के लिए एथेंस को चुना गया और इसकी तैयारियां शुरू हुई। 5 अप्रैल 1896 को प्रथम आधुनिक ओलम्पिक खेलों की शुरूआत हुई। प्रथम आधुनिक ओलम्पिक खेलों का उद्घाटन 5 अप्रैल 1896 को एथेंस (यूनान) में किंग जॉर्ज पंचम द्वारा किया गया। अमेरिका के जेम्स बी. कोनोली को पहले आधुनिक ओलम्पिक खेल में प्रथम ओलम्पिक चैम्पियन बनने का गौरव हासिल है।

पहले ओलम्पिक खेल की प्रतियोगिताओं में महिलाओं के भाग लेने पर प्रतिबंध था किन्तु सन 1900 में दूसरे ओलम्पिक में महिलाओं को भी ओलम्पिक खेलों के जरिये अपनी प्रतिभा का परिचय देने का अवसर मिल गया। प्रथम आधुनिक ओलम्पिक में भाग लेने वाले कुछ खिलाड़ी तो ऐसे भी थे, जो उस वक्त एथेंस में ही पर्यटक के तौर पर पहुंचे हुए थे। 1896 से ओलम्पिक खेलों का आयोजन नियमित होता रहा है लेकिन प्रथम व द्वितीय विश्व युद्ध के कारण 1916, 1940 तथा 1944 के ओलम्पिक आयोजन रद्द करने पड़े थे। यूनान (ग्रीस), ब्रिटेन, स्विटजरलैंड, आस्ट्रेलिया तथा फ्रांस ही पांच ऐसे देश हैं, जिन्होंने अब तक हर ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक खेलों में हिस्सा लिया है। ओलम्पिक खेलों के उद्घाटन के समय स्टेडियम में सबसे पहले ग्रीस की टीम प्रवेश करती है। उसके बाद मेजबान देश की भाषानुसार वर्णमाला के क्रम से एक-एक करके दूसरे देशों की टीमें स्टेडियम में प्रवेश करती हैं जबकि मेजबान देश की टीम सबके बाद स्टेडियम में पहुंचती है।

नजरिया

प्रखर राष्ट्रवादी और देशभक्त डा. श्यामाप्रसाद मुखर्जी

बाल मुकुन्द ओझा
मोबाइल : 9414441218

भारतीय जनता पार्टी अपने पितृ पुरुष और भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि 23 जून को बलिदान दिवस के रूप में मनाती है। इस अवसर पर देशभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें याद किया जाता है। एक देश, एक विधान, एक निशान और एक संविधान के सूत्रधार डॉक्टर मुखर्जी अनुच्छेद 370 के मुखर विरोधी थे और चाहते थे कि कश्मीर पूरी तरह से भारत का हिस्सा बने और वहां अन्य राज्यों की तरह समान कानून लागू हो। डा. मुखर्जी के बलिदान के दशकों बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कश्मीर से धारा 370 हटा कर देश में एक विधान और एक निशान का उनका सपना पूरा कर दिया। मोदी सरकार धीरे धीरे मुखर्जी के सभी सपने साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रहे है। हालाँकि वर्तमान लोकसभा में अकेले भाजपा को बहुमत नहीं मिला है मगर मोदी अपने निश्चय पर दृढ़ है। महान देशभक्त डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी का जन्म 6 जुलाई 1901 को कलकत्ता के प्रतिष्ठित बंगाली परिवार में हुआ था। उनके पिता सर आशुतोष मुखर्जी शिक्षाविद के रूप में विख्यात थे। एक महान शिक्षाविद और चिन्तक होने के साथ-साथ भारतीय जनसंघ के संस्थापक भी थे। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी कलकत्ता विश्वविद्यालय से स्नातक होने के पश्चात श्री मुखर्जी 1923 में सेनेट के सदस्य बने। सन 1924 में पिता की मृत्यु के बाद उन्होंने कलकत्ता हाई कोर्ट में वकालत के लिए पंजीकरण कराया। 1926 में उन्होंने इंग्लैंड के लिए प्रस्थान किया जहाँ लिंकन्स इन से उन्होंने 1927 में बैरिस्टर की परीक्षा उत्तीर्ण की।

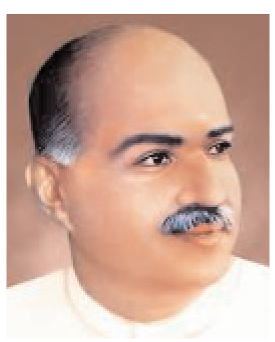

डॉ मुखर्जी के राजनैतिक जीवन की शुरूआत सन 1929 में हुई जब उन्होंने कांग्रेस पार्टी के टिकट पर बंगाल विधान परिषद में प्रवेश किया परन्तु जब कांग्रेस ने विधान परिषद के बहिस्कार का निर्णय लिया तब उन्होंने इस्तीफा दे दिया। इसके पश्चात उन्होंने स्वतंत्र उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ा और चुने गए। सन 1941-42 में वह बंगाल राज्य के वित्त मंत्री रहे। सन 1937 से 1941 के बीच जब कृषक प्रजा पार्टी और मुस्लिम लीग की साझा सरकार थी तब वो विपक्ष के नेता थे और जब फजलुल हक के नेतृत्व में एक प्रगतिशील सरकार बनी तब उन्होंने वित्त मंत्री के तौर पर कार्य किया पर 1 साल बाद ही इस्तीफा दे दिया। पंडित जवाहरलाल नेहरू ने उन्हें अंतरिम सरकार में उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री के रूप में शामिल किया। नेहरू और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री लियाकत अली के बीच हुए समझौते के पश्चात 6 अप्रैल 1950 को उन्होंने मंत्रिमंडल से त्यागपत्र दे दिया। इसके बाद उन्होंने एक नए राजनैतिक दल की स्थापना की जो उस समय सबसे बडा विरोधी दल था। इस प्रकार अक्टूबर, 1951 में 'भारतीय जनसंघ' का उद्भव हुआ। सन 1952 के चुनाव में भारतीय जन संघ ने कुल तीन सीटें जीती, जिसमे एक उनकी खुद की सीट शामिल थी। यहाँ हमें डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बारे में जानना जरुरी है की आखिर वे चाहते क्या थे। आज की पीढ़ी के लिए डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी का नाम अनजाना हो सकता है मगर कश्मीर के लिए किया गया उनका बलिदान इतिहास में अमर है। डॉ मुखर्जी भारत के अकेले ऐसे नेता थे जिन्हें एक देश दो संविधान मंजूर नहीं था। उनके अप्रतिम संघर्ष के कारण ही आज कश्मीर भारत का भाग है। डॉ. मुखर्जी ने देश की एकता और अखंडता के लिए अपने प्राणों की आहूति दी। समाज के लिए सर्वस्व न्योछावर करने के साथ ही अखंड कश्मीर के खातिर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान सदैव हमारी स्मृतियों में रहेगा। डॉ. मुखर्जी धर्म के आधार पर विभाजन के कट्टर विरोधी थे। श्री मुखर्जी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक गुरू गोलवलकर जी से परामर्श करने के बाद 21 अक्तूबर, 1951 को दिल्ली में भारतीय जनसंघ की नींव रखी और वे इसके पहले अध्यक्ष बने। 1929 में बंगाली लेजिस्लेटिव कांउसिल में कांग्रेस उम्मीदवार के तौर पर अपना राजनीतिक करियर शुरू करने वाले जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी जी का 23 जून समृति दिवस है। इस दिन उनकी जम्मू कश्मीर जेल में उनकी मृत्यु हुई थी। उन्होंने एक राष्ट्र दो विधान दो संविधान का विरोध करते हुए बिना परमिट के जम्मू-कश्मीर में प्रवेश किया। वहां पर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। डा. मुखर्जी ने 40 दिन तक जेल जीवन की यातनायें सहन कीं। वहीं वे अस्वस्थ हो गये। 22 जून को प्रात 4 बजे उनको दिल का दौरा पड़ा। जनसंघ के उनके साथियों का मानना है उन्हें समय पर उचित चिकित्सा नहीं दी गयी परिणामस्वरूप अगले ही दिन 23 जून 1953 को रहस्यमयी परिस्थितियों में डा. मुखर्जी का देहान्त हो गया। राष्ट्र की एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए उन्होंने अपने प्राणों का बलिदान किया। डॉ मुखर्जी आज हमारे बीच में नहीं है मगर भाजपा के रूप में उनकी विचारधारा को लोगों ने स्वीकारा है। शिक्षाविद और प्रखर देशभक्त के रूप में लोग आज भी उन्हें श्रद्धा से याद करते है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बैठक

केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी रविवार को हैदराबाद के सिकंदराबाद के सिख गांव में मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में एक सार्वजनिक बैठक में।

अमेरिकी हमलों के बाद इजराइल-ईरान संघर्ष 'निर्णायक चरण' में : विशेषज्ञ

नई दिल्ली/भाषा

रणनीतिक मामलों के विशेषज्ञों का कहना है कि रविवार तड़के ईरान के तीन प्रमुख प्रतिष्ठानों पर अमेरिका द्वारा बमबारी किये जाने के बाद इजराइल-ईरान संघर्ष एक निर्णायक चरण में प्रवेश कर गया है। वहीं, उनमें से कुछ का यह भी मानना है कि वाशिंगटन की यह जिम्मेदारी थी कि वह सैन्य टकराव में शामिल नहीं हो।

पूर्व राजनयिक और लेखक राजीव डोगरा ने अमेरिकी हमले की आलोचना की और कहा कि यह वक्त ही बताएगा कि हमलों के बाद क्या विकिरण हुआ है या उसे किसी तरह से नियंत्रित कर लिया गया है।

भारत और ईरान के बीच पुराने सभ्यतागत संबंधों को रेखांकित करते हुए कुछ विशेषज्ञों ने कहा कि अमेरिका के शामिल होने से ईरान-इजराइल टकराव तेज होने के कारण द्विपक्षीय संबंधों को नुकसान पहुंच सकता है। उन्होंने आगाह किया कि यदि तेहरान अमेरिकी हमलों के जवाब में होर्मुज जलडमरूमध्य (फारस की खाड़ी और अरब सागर को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण जल मार्ग) को बंद करने का फैसला करता है, तो वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ-साथ भारतीय अर्थव्यवस्था पर भी गंभीर प्रभाव पड़ेगा।

डोगरा ने कहा, ईरान स्वाभाविक रूप से अपने पास उपलब्ध सभी विकल्पों पर विचार करेगा। होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करना या उससे होकर गुजरने वाले जहाजों पर हमला करना, ऐसे विकल्प हैं जिनका ईरान इस्तेमाल कर सकता है। उन्होंने कहा कि यदि ऐसा होता है तो स्वाभाविक रूप से खाड़ी देशों से जलडमरूमध्य के माध्यम से तेल का आयात करने वाले सभी देश प्रभावित होंगे और अंततः तेल की कीमतों में उछाल आएगा।

पूर्व राजनयिक ने कहा, अगर तनाव कम होने की गुंजाइश बची भी थी तो अमेरिकी हमलों ने यह सुनिश्चित कर दिया कि हालात जल्दी सामान्य नहीं होंगे। लगभग एकमात्र महाशक्ति होने के नाते, यह अमेरिका की जिम्मेदारी थी कि उसे इस टकराव में शामिल नहीं होना चाहिए था।

एक अन्य पूर्व राजनयिक और रणनीतिक मामलों के विशेषज्ञ दिलीप सिन्हा ने कहा, युद्ध अब निर्णायक चरण में प्रवेश कर गया है। उन्होंने कहा, इजराइल ने हवाई हमलों में पहले ही ईरान पर बढ़त हासिल कर ली थी। अब अमेरिका भी इसमें शामिल हो रहा है और वह ईरान के परमाणु प्रतिष्ठानों को भारी नुकसान पहुंचा रहा है।

सिन्हा ने कहा कि ईरान की जवाबी कार्रवाई करने की क्षमता अब काफी कम हो गई है। उन्होंने होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने की आशंका और भारत तथा खाड़ी क्षेत्र से तेल आयात करने वाले अन्य देशों के लिए इसके आर्थिक तथा अन्य प्रभावों पर डोगरा के विचारों से सहमति जताई। सिन्हा ने तर्क दिया कि यदि यह महत्वपूर्ण जल मार्ग बंद हो गया तो न केवल आपूर्ति प्रभावित होगी बल्कि तेल की कीमतें भी बढ़ जाएंगी। उन्होंने कहा, क्षेत्र में संघर्ष बढ़ने का अंदेशा है। लेकिन मुझे ऐसा होता नहीं दिख रहा है, क्योंकि अभी तक ज्यादा देश इजराइल के समर्थन में सामने नहीं आए हैं।

पूर्व राजनयिक ने कहा कि यह संघर्ष निश्चित रूप से भारत के लिए चुनौती प्रस्तुत करता है, जिसके ईरान के साथ घनिष्ठ संबंध रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत ऐतिहासिक, सभ्यतागत और भू-रणनीतिक कारणों से भी ईरान के साथ अच्छे संबंध रखना चाहता है।

नोबेल शांति पुरस्कार के लिए ट्रंप को नामित करने पर पाक सरकार की आलोचना

लाहौर/भाषा। नोबेल शांति पुरस्कार के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नाम की सिफारिश करने पर पाकिस्तान सरकार के साथ-साथ वहां के सैन्य प्रतिष्ठान को सोशल मीडिया पर कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने नॉर्वे में नोबेल शांति पुरस्कार समिति को औपचारिक रूप से एक पत्र भेजा है, जिसमें हाल ही में भारत-पाकिस्तान सैन्य संघर्ष के दौरान निर्णायक कूटनीतिक हस्तक्षेप के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार देने की सिफारिश की गई है।

घोषणा के तुरंत बाद सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर उपयोगकर्ताओं ने अपने आका अमेरिकी राष्ट्रपति को खुश करने के लिए पाकिस्तानी सरकार की आलोचना शुरू कर दी। अमेरिका द्वारा ईरान के फोर्दो, इस्फहान और नतांज परमाणु केंद्रों पर हमला करके देश के परमाणु कार्यक्रम को नष्ट करने के बाद आलोचनाएं तेज हो गईं हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने चेतावनी दी कि अगर ईरान ने जवाबी कार्रवाई की तो और हमले किए जाएंगे। रविवार को 'एक्स' पर एक उपयोगकर्ता ने कहा, पाकिस्तानियों, सावधान! ईरान पर हमले के बाद प्रधानमंत्री शहबाज न केवल राष्ट्रपति ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित कर सकते हैं, बल्कि उन्हें तमगा-ए-जुरात (साहस का पदक), तमगा-ए-शुजात (बहादुरी का पदक), तमगा-ए-बसालत (वीरता का पदक), तमगा-ए-इम्तियाज (उत्कृष्टता का पदक) और शायद निशान-ए-हैदर (पाकिस्तान का सर्वोच्च सैन्य सम्मान) भी प्रदान कर सकते हैं।

पाकिस्तानी पत्रकार अमीर अब्बास ने कहा: वही ट्रंप जिसकी तुलना पीएमएल-एन के वरिष्ठ नेता ख्वाजा साद रफीक ने एक बार चंगेज खान और हिटलर से की थी - कल रात उसी पीएमएल-एन सरकार ने उन 'चंगेज खान और हिटलर' को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित किया।

'डार्क एनर्जी' की खोज ने ब्रह्मांड की समझ को बदल दिया : ब्रायन श्मिद

नई दिल्ली/भाषा

'डार्क मैटर' ब्रह्मांड को खींचता है और 'डार्क एनर्जी' धकेलती है, ये दोनों ही रहस्य हैं जो आज भी बने हुए हैं। नोबेल पुरस्कार विजेता ब्रायन श्मिद कहते हैं कि यह खोज निर्णायक साबित हुई कि ब्रह्मांड का अधिकांश हिस्सा ऐसे 'पदार्थों' से बना है जो गुरुत्वाकर्षण को खींचने के बजाय धकेलने में सक्षम बनाता है। अमेरिका में जन्मे ऑस्ट्रेलियाई खगोलशास्त्री ने अमेरिका के एडम रीस और सॉल पर्लमटर के साथ मिलकर 1998 में उस 'पदार्थ' की खोज की थी, जिसे बाद में 'डार्क एनर्जी' कहा गया। तीनों को 2011 में भौतिकी के लिए नोबेल पुरस्कार मिला। श्मिद ने अपनी खोज के महत्व को रेखांकित करते हुए 'पीटीआई-भाषा' से कहा, डार्क एनर्जी वास्तव में यह कह रही है कि अंतरिक्ष से भी ऊर्जा जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि इस खोज ने ब्रह्मांड की कार्यप्रणाली के बारे में हमारी समझ को बदल दिया।

'लोढ़ा जीनियस प्रोग्राम' के लिए अशोका यूनिवर्सिटी का दौरा करने वाले खगोलशास्त्री श्मिद ने कहा, अगर हमारे पास डार्क एनर्जी नहीं होती, तो ब्रह्मांड वक्राकार होता और इसका विस्तार तेजी से नहीं होता और यह चीज ब्रह्मांडीय वस्तुओं, जैसे आकाशगंगाओं, के दिखने के तरीके को बदल देती है। यह वास्तव में एक बड़ा अंतर पैदा करता है। 'डार्क मैटर' का मतलब ब्रह्मांड में मौजूद उन कणों से है जो आकाशगंगाओं और अन्य संरचनाओं को एक साथ बांधे रखते हैं। कहा जाता है कि इसमें कुछ विशेष गुण होते हैं, जैसे कि यह अदृश्य होता है, क्योंकि यह प्रकाश के साथ कोई प्रतिक्रिया नहीं करता।

श्मिद ने कहा, हालांकि, जहां डार्क मैटर और परमाणु (जो सामान्य पदार्थ बनाते हैं) ब्रह्मांड को खींच रहे हैं, वहीं 'डार्क एनर्जी' ब्रह्मांड को बाहर की ओर धकेल रही है। किसी भी समय इस बात का संतुलन होता है कि इस 'संघर्ष' में कौन भारी है ऐसा लगता है कि अब 'डार्क एनर्जी' इसमें यह संघर्ष जीत चुकी है और ब्रह्मांड को अलग-अलग दिशाओं में फैला रही है। ऑस्ट्रेलियन नेशनल यूनिवर्सिटी के पूर्व अध्यक्ष एवं वर्तमान में खगोल विज्ञान के प्रोफेसर श्मिद (58) ने कहा कि यह इसलिए है क्योंकि डार्क एनर्जी का घनत्व 'बिग बैंग' के समय निर्धारित हो गया था। बिग बैंग को ब्रह्मांड की उत्पत्ति का कारण माना जाता है। यह घटना लगभग 13.8 अरब साल पहले हुई थी। डार्क मैटर उन कणों में शामिल है जो इस घटना के तुरंत बाद बने थे।

श्मिद ने कहा, और (डार्क एनर्जी) उसी घनत्व पर बनी रही। लेकिन जैसे-जैसे ब्रह्मांड का विस्तार होता गया, परमाणु और डार्क मैटर का घनत्व समय के साथ घटता गया। लगभग 6.5 अरब साल पहले दोनों का घनत्व एक-दूसरे के बराबर हो गया और उसी बिंदु पर डार्क एनर्जी ने प्रभुत्व हासिल कर लिया और ब्रह्मांड के विस्तार को तेज़ कर दिया।

योग दिवस

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता रविवार को नई दिल्ली में महाराजा अग्रसेन भवन अशोक विहार में योग दिवस समारोह में।

शबाना आजमी ने दिखाई अपने 'मैड ग्रुप' की झलक

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री शबाना आजमी ने सोशल मीडिया पर अपने 'मैड ग्रुप' से मिलवाया है। दरअसल, अभिनेत्री ने एक पुरानी फोटो शेयर की है, जिसमें उनके 'अजीज' देखे जा सकते हैं। अभिनेत्री शबाना ने इंस्टाग्राम अकाउंट में एक पुरानी तस्वीर शेयर की है, जिसमें दिव्या दत्ता, फरहान अख्तर, शबाना आजमी, शहाना गोस्वामी और संध्या मृदुल शामिल हैं। तस्वीर में सभी कैमरे की तरफ देख रहे हैं। कैप्शन के लिए, अभिनेत्री ने लिखा, मैंने इसे पहले भी पोस्ट किया होगा, मुझे याद नहीं है। यह फोटो मेरे फोन में थी, मैंने सोचा कि इसे शेयर करना मजेदार होगा। यह हमारा 'मैड ग्रुप' है। फरहान अख्तर शबाना आजमी के सौतेले बेटे हैं, शबाना आजमी ने जावेद अख्तर से 1984 में शादी की थी। जावेद की पहली शादी हनी ईरानी से हुई थी, जिनसे उन्हें दो बच्चे जोया अख्तर और फरहान अख्तर हैं। शादी के बाद शबाना ने दोनों को सगे बच्चों से भी ज्यादा प्यार दिया। शबाना अक्सर सोशल मीडिया पर बच्चों के साथ फोटोज और वीडियोज शेयर करती रहती हैं।

वर्क फ्रंट की बात करें तो शबाना को इस साल क्राइम थ्रिलर डब्बा कार्टेल में देखा गया। इसका प्रीमियर 28 फरवरी को नेटफ्लिक्स पर हुआ था। हितेश भाटिया द्वारा निर्देशित इस सीरीज में अंजलि आनंद, ज्योतिका, साई ताम्हणकर, शालिनी पांडे, जीशु सेनगुप्ता, लिलेट दुबे, भूपेंद्र जादावत और गजराज राव जैसे मंझे कलाकार शामिल थे। सीनियर एक्ट्रेस जल्द ही निर्देशक संतोषी की एक्शन ड्रामा लाहौर 1947 में दिखाई देंगी। आमिर खान प्रोडक्शंस द्वारा समर्थित इस फिल्म में सनी देओल, प्रीति जिंटा, अली फजल और करण देओल जैसे शानदार कलाकार हैं। शबाना आजमी ने 1974 में अपनी पहली फिल्म 'अंकुर' से फिल्मी दुनिया में कदम रखा था। पिछले 50 सालों में उन्होंने अपना अलग और खास मुकाम बनाया है।

फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' का टाइटल ट्रैक रिलीज़

मुंबई/एजेन्सी

विक्रांत मैसी और शनाया कपूर की फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' टाइटल ट्रैक रिलीज़ हो गया है। फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' को लेकर फैन्स के बीच खासा उत्साह बना हुआ है। इसी बीच मेकर्स ने फिल्म का टाइटल ट्रैक जारी कर दिया है, जो प्यार में दूरी, तड़प और अधूरे जज़्बातों को बेहद खूबसूरती से दर्शाता है। यह गाना एक सच्चे दिल की कहानी है जो दूर रहकर भी किसी को टूटकर चाहता है। विक्रांत और शनाया ने गाने में अपने किरदारों की भावनाओं को बड़े ही सहज और असरदार अंदाज़ में निभाया है। उनकी नज़रों के ज़रिए कहा गया हर जज़्बात सीधे दिल को छू जाता है।

गाने का माहौल दिल टूटने वाले हर शख्स से जुड़ता है और एक गहरी भावनात्मक छाप छोड़ता है। इस टाइटल ट्रैक को जुबिन नौटियाल ने गाया है, संगीत और बोल विशाल मिश्रा के हैं। यह गाना पुराने बॉलीवुड रोमांस की मासूमियत और सादगी को दोबारा महसूस कराता है। ज़ी स्टूडियोज और मिनी फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' को मानसी बागला, वरुण बागला और ओपन विंडो फिल्म्स ने को प्रोड्यूस किया है ।

फिल्म 'कालिधर लापता' का ट्रेलर रिलीज़

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता अभिषेक बच्चन की फिल्म कालिधर लापता का ट्रेलर रिलीज हो गया है। ज़ी स्टूडियोज़ और एम्मे एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित और मधुमिता द्वारा निर्देशित फिल्म कालिधर लापता में अभिषेक बच्चन कालिधर की भूमिका निभा रहे हैं। एक ऐसा मध्यम आयु का व्यक्ति जो याददाश्त खोने, ठुकरा दिए जाने और उम्रभर के मौन विश्वासघातों से जूझ रहा है। जब वह अपने भाई-बहनों की यह निर्मम योजना सुन लेता है कि वे उसे भीड़ भरे महाकुंभ के मेले में छोड़ आएंगे, तो कालिधर अपने शर्तों पर गायब होने का निर्णय लेता है। तभी किस्मत उसे बल्लू (दैविक भागेला) से मिला देती है, एक बेबाक, चतुर आठ वर्षीय अनाथ बच्चा जो भारत की भाग-दौड़ भरी सड़कों पर अकेले अपने दम पर जिंदा है। जो मुलाक़ात संयोग से शुरू होती है, वही एक गहरे और अर्थपूर्ण सफर की शुरुआत बन जाती है।

अभिषेक बच्चन ने कहा, एक अभिनेता के तौर पर हम अक्सर ऐसी कहानियों की उम्मीद करते हैं जो पहले हमें भीतर तक छू जाएं और फिर दूसरों को। कालिधर लापता ने मेरे साथ ठीक यही किया। कालिधर का किरदार निभाना सिर्फ एक भूमिका नहीं थी, यह मेरे लिए एक आत्मिक अनुभव था। वह नाजुक है, मासूम है और बेहद मानवीय है और उसके ज़रिए मैं खुद के उन हिस्सों तक पहुंचा जिन्हें मैंने लंबे समय से नहीं टटोला था। उसका और बल्लू का रिश्ता एक निडर, बेखौफ बच्चा मुझे यह याद दिलाता रहा कि ज़िंदगी में सबसे अनपेक्षित दोस्तियां हमें सबसे गहरे सबक सिखा जाती हैं।

सबसे बढ़कर, इसने मुझे ये सोचने पर मजबूर किया कि हम ज़िंदगी को सालों में नहीं, बल्कि उन लम्हों में मापते हैं, जहाँ हमें सच्चा जुड़ाव, हिम्मत और सच्चाई महसूस होती है। कालिधर लापता मेरी फिल्मी यात्रा की एक और ऐसी फिल्म है जिस पर मुझे बेहद गर्व है। पिछले कुछ वर्षों से मैं जानबूझकर ऐसी कहानियाँ ढूंढ रहा हूँ जो भावनात्मक गहराई, सच्चाई और कुछ सार्थक संदेश लेकर आएं और इस फिल्म ने हर उस कसौटी को पूरा किया हैं। यह एक ऐसी कहानी है जिसने मेरी आत्मा को छुआ, और मैं उम्मीद करता हूँ कि यह आपकी आत्मा को भी छुए। निर्देशक मधुमिता ने कहा, कालिधर लापता के जरिए मैं ऐसी कहानी कहना चाहती थी जो व्यक्तिगत भी हो और सार्वभौमिक भी। इसने मुझे परित्याग, गरिमा और मानवीय जुड़ाव की उद्धारक शक्ति जैसे विषयों को तलाशने का एक मंच दिया। कालिधर ऐसा किरदार है जिससे हममें से कई लोग जीवन में कभी न कभी मिले हैं या शायद खुद भी उस स्थिति में रहे हैं। एक ऐसा इंसान जिसे ज़िंदगी ने हाशिये पर लाकर खड़ा किया हो, लेकिन जिसके भीतर फिर भी एक शांत लेकिन अडिग हिम्मत की लौ जलती रहती है।

बल्लू उसकी परछाई, रोशनी, और उसका अनचाहा सहारा बनता है।

'तू धड़कन मैं दिल' का प्रोमो रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

स्टार प्लस के नये शो 'तू धड़कन मैं दिल' का प्रोमो रिलीज़ हो गया है। स्टार प्लस अपने दर्शकों के लिए एक नई इमोशनल कहानी लेकर आ रहा है, 'तू धड़कन मैं दिल'। यह शो एक छोटी सी बच्ची दिल की कहानी है, जो नन्ही सी उम्र में भी हिम्मत और मासूमियत की मिसाल बन जाती है। इस किरदार को आराध्या पटेल निभा रही हैं,जो अपनी प्यारी एक्टिंग और भावों से दिल जीत रही हैं। नये प्रोमो में दिल बारिश के बीच एक भीड़भाड़ वाली सड़क पर बिल्ली के पीछे भागती नजर आती है, अपने छोटे से बैग को संभालते हुए। तेज़ बारिश और बिजली की गड़गड़ाहट के बीच, दिल अपनी खोई हुई मां के बारे में बात करती है और उनके एक ड्रॉइंग को अपने सीने से लगाकर रखती है। वो मासूमियत से कहती है कि जैसे ही बारिश रुकेगी, उसे अपनी मम्मी-पापा मिल जाएंगे। एक और इमोशनल पल में, दिल एक परिवार को साथ में नाश्ता करते हुए देखती है।

उसकी आंखों में अकेलापन झलकता है, लेकिन वो मुंह फेरने की बजाय अपने बैग से खाना निकालती है और अपने पास बैठी बिल्ली को प्यार से खिला देती है। दिल एक 'सनशाइन गर्ल' है, जो नन्ही सी उम्र में भी हिम्मत, प्यार और उम्मीद से भरी है। उसकी मौजूदगी हर फ्रेम में एक अलग सी गर्माहट ले आती है। दिल की ये पूरी कहानी उसके मम्मी-पापा को ढूंढने के इरादे से शुरू होती है। लेकिन आखिर दिल अकेली क्यों है? उसके परिवार के साथ ऐसा क्या हुआ? क्या उसकी मासूमियत, हिम्मत और प्यार उसे उसके अपने से फिर मिलवा पाएंगे? 'तू धड़कन मैं दिल' एक इमोशनल और उम्मीदों से भरी कहानी है, जो हर उम्र के दर्शकों के दिल को छूने वाली है। यह शो 23 जून से हर शाम 7 बजे, सिर्फ़ स्टार प्लस पर प्रसारित होगा।

'आमी डाकिनी' में अपने किरदार के लिए राची शर्मा ने ली श्रद्धा कपूर से प्रेरणा

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री राची शर्मा ने सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न के बहुप्रतीक्षित शो 'आमी डाकिनी' में अपने किरदार के लिए श्रद्धा कपूर की फिल्म स्त्री में उनके किरदार से प्रेरणा ली है। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न का बहुप्रतीक्षित शो 'आमी डाकिनी' अपने रोमांचक और रहस्यपूर्ण कथानक से दर्शकों को बांधे रखने के लिए पूरी तरह तैयार है। कोलकाता की खूबसूरत पृष्ठभूमि पर आधारित यह शो, चैनल की प्रतिष्ठित हॉरर सीरीज़ 'आहट' के बाद फिर से डरावनी कहानी कहने की शैली में वापसी कर रहा है। इस शो में हितेश भारद्वाज आयान के रूप में, शीन दास डाकिनी के रूप में और राची शर्मा मीरा की भूमिका में नजर आयेंगी। मीरा जैसे जटिल किरदार में उतरने के अनुभव को साझा करते हुए राची शर्मा ने कहा कि उन्होंने इस भूमिका के लिए 'स्त्री' में श्रद्धा कपूर के अभिनय से प्रेरणा ली। उन्होंने कहा, जब मैंने 'स्त्री' में श्रद्धा को देखा, तो मैं निश्चित रूप से मंत्रमुग्ध हो गई थी। उनके किरदार में एक रहस्य था, जो शांत लेकिन गहराई से भावनात्मक रूप से जुड़ा हुआ महसूस हुआ। वह परफॉर्मेंस मेरे जहन में बनी रही। लेकिन जब बात मीरा की आई, तो मैंने उस भावना से जुड़ाव महसूस किया, फिर भी मुझे समझ आया कि मीरा का भावनात्मक संसार अलग है। राची शर्मा ने कहा, श्रद्धा की अभिव्यक्तियाँ, उनकी खामोशियां, उनका रिदम,वो प्रेरणादायक थे, लेकिन मीरा को एक अलग तरह की तीव्रता की ज़रूरत थी। मैंने उनके संयम और शांति से जरूर सीखा, लेकिन मीरा के किरदार को निभाने के लिए मुझे और अधिक साहसी, कच्चा और दर्द व शक्ति से जुड़ा दृष्टिकोण अपनाना पड़ा। तो हां, मैंने उन्हें एक शुरुआती संदर्भ के रूप में लिया, लेकिन उसके बाद मुझे मीरा की अपनी अनोखी भावनात्मक लय खोजनी पड़ी। 'आमी डाकिनी' 23 जून से, हर सोमवार से शुक्रवार, रात 8:00 बजे, सिर्फ सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न और सोनीलिव पर प्रसारित होगा।

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

जीतो बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर द्वारा कॉफी विद जीतो 4.0' का चौथा संस्करण रविवार को आयोजित हुआ जिसमें 40 सदस्यों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने स्वयं एवं अपने व्यवसाय का परिचय प्रस्तुत किया।

जीवन की शांति के लिए ध्यान और मंत्रजाप जरूरी : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

होसपेट । स्थानीय आदिनाथ जैन श्वेतांबर संघ के तत्वावधान में एमजे नगर स्थित आराधना भवन में आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी की निश्रा में संगीतमय मंत्रजाप और साधना अनुष्ठान का आयोजन किया गया। इस मौके पर आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि जीवन की शांति के लिए ध्यान और मंत्रजाप अमोघ उपाय हैं। ये मन की खुराक हैं। जिस तरह शरीर को स्वस्थ रखने के लिए पौष्टिक आहार ग्रहण करना होता है, उसी प्रकार मन को शांत और स्वस्थ रखने के लिए ध्यान व मंत्रजाप करने चाहिएं। आधुनिक मनुष्य अधिक से अधिक भौतिक साधन-सामग्रियों में उलझकर बेहद परेशान हो रहा है। जीवन का अंत है, पर उसकी इस दौड़ का कोई अंत नजर नहीं आ रहा। जितने साधन और जितनी सुविधाएं हम अर्जित कर रहे हैं, उतनी ही समस्याएं बढ़ती जा रही हैं और मानसिक शांति नष्ट होती जा रही है। ध्यान और मंत्रजाप जीवन में शांति के प्रयोगसिद्ध उपाय हैं। मंत्रों का रटन भी हमें भक्ति और ध्यान के मार्ग पर ले जाता है।

जैनाचार्य ने कहा कि तीन या तीन से अधिक स्वरों और व्यंजनों के जोड़ से बीजमंत्रों का निर्माण होता है। वे ध्वनिविज्ञान के अद्भुत आविष्कार हैं। ऊँ, ह्रीं, श्रीं, क्लीं आदि बीजमंत्र न सिर्फ शरीर के अलग अलग केंद्रों को प्रभावित करते हैं, बल्कि वे भारतीय मंत्रसाधना के प्राणतत्व हैं। प्राचीनकाल से इन बीजमंत्रों के हजारों-लाखों सफल प्रयोग हुए हैं। भौतिक संपादनों के बीच हर मनुष्य को ध्यान के प्रयोग और इष्टमंत्रों के जाप कर जीवन को निरापद और आनंदमय बनाने का प्रयत्न करना चाहिए। शांति और आनंद से जीने का यही रास्ता है। देर-सबेर हर किसी को सारी दुनिया भटककर अन्ततः इसी मार्ग पर आना है। इस अवसर पर जैनाचार्य ने ॐ व ह्रीं बीजमंत्रों के रहस्यों की विवेचना करते हुए रंग व मंत्रों के अनुसार ह्रींकार के ध्यान की प्रक्रिया समझाई।

गणि पद्मविमलसागरजी ने बताया कि आध्यात्मिक अभिरुचि और साधना के बिना साधनों की कोई महत्ता सिद्ध नहीं होती। जहां साधन हार जाते हैं, वहां साधना जीवन को सही मार्ग देती है। गृहस्थ जीवन में दोनों का संतुलन साधकर ही आप सफल हो सकते हैं। मुनिवरों के सान्निध्य में आदिनाथ मंदिर में मंत्रों और मुद्रा विधानों के साथ विविध जड़ीबूटियों और औषधियों से संगीतमय पंचाभिषेक का आयोजन भी हुआ।

आचार्य महाप्रज्ञ विशिष्ट प्रज्ञा के धनी थे : साध्वीश्री पुण्ययशा

आरआर नगर प्रवेश एवं प्रज्ञा दिवस का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। साध्वीश्री पुण्ययशा जी विहार करते हुए आरआर नगर स्थित प्रेस्टीज बागमने अपार्टमेन्ट पहुंचे जहां श्रावक समुदाय ने उत्साह के साथ साध्वीवृन्द का स्वागत किया। इस मौके पर साध्वीश्री के सान्निध्य में आचार्य महाप्रज्ञ के 106वें जन्मदिवस को प्रज्ञा दिवस के रूप में मनाया गया जिसमें लगभग 250 लोगों ने ॐ श्री महाप्रज्ञ गुरवे नमः मंत्र का जाप किया। इस अवसर पर साध्वीश्री पुण्ययशाजी ने कहा कि आचार्य महाप्रज्ञ विशिष्ट प्रज्ञा के धनी थे। उन्होंने ध्यान योग की उत्कृष्ट साधना द्वारा अपनी प्रज्ञा को जागृत किया। उन्होंने व्यक्ति, समाज, देश और राष्ट्र को जोड़ने का कार्य किया। वे राष्ट्र के भाग्य विधाता एवं देश की महान धरोहर थे। जीवन और जगत के अज्ञात रहस्यों के ज्ञाता, अध्यात्म के कल्पवृक्ष एवं महान साहित्यकार और प्रखर वक्ता थे। उन्होंने प्रेक्षा ध्यान, जीवन विज्ञान, अणुव्रत, अहिंसा प्रशिक्षण आदि आयाम प्रस्तुत किए जो वर्तमान युग की बहुत बड़ी आवश्यकता है। ऐसे संत शताब्दियों में कभी-कभी पैदा होते हैं। साध्वीश्री ने चातुर्मास को तप-जप स्वाध्याय से ऐतिहासिक बनाने की प्रेरणा दी। तेरापंथ सभा के अध्यक्ष राकेश छाजेड़ ने साध्वियों का स्वागत किया। ट्रस्ट के अध्यक्ष मनोज डागा, तेयुप के अध्यक्ष बिकास छाजेड़ ने भावों से साध्वियों का स्वागत किया। महिला मंडल अध्यक्ष सुमन पटावरी एवं नवमनोनीत अध्यक्ष मंजु बोथरा ने स्वागत वक्तव्य दिया। कार्यक्रम का संयोजन विक्रम महेर ने किया तथा मंत्री गुलाब बाँठिया ने धन्यवाद दिया।

योग दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तेरापंथ युवक परिषद विजयनगर द्वारा विश्व योग दिवस के उपलक्ष्य में 'योग से होगा 2.0' कार्यक्रम के तहत योगाभ्यास और जुंबा कार्यक्रम का आयोजन अर्हम भवन में किया गया।योग प्रशिक्षक शिवराज व मानसा ने उपस्थित जनों को विभिन्न योग अभ्यास करवाए व जुंबा करवाया।तेयुप विजयनगर के अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा, तेरापंथ सभा विजयनगर के अध्यक्ष मंगल कोचर, महिला मंडल अध्यक्षा मंजू गादिया, अर्हम मित्र मंडल के मंत्री विनोद पारख, तेयुप प्रबंध मंडल से विकास बांठिया, तेयुप के मंत्री संजय भटेवरा सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

स्वास्थ्य शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

आनंद मार्ग रेनैस्संस यूनिवर्सल, बेंगलूरु चैप्टर के आचार्य एवं स्वयंसेवकों ने रविवार को विश्व योग दिवस मनाया। आचार्य सिद्धेश्वरानंद अवधूत, आचार्य सदाशिवनन्द अवधूत एवं रंजन देव ने योगासन, साधना के फायदों के बारे में बताया। इस मौके पर अमर्त टीम द्वारा निःशुल्क चिकित्सा शिविर का भी आयोजन बिग बैनियन ट्री के पास गणपतिहल्ली में किया। शिविर में क्षेत्र के 50 से अधिक परिवारों ने विभिन्न स्वास्थ्य जांच करवाई।

जीतो नॉर्थ चैप्टर ने किया 'कॉफी विद जीतो-4.0' का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर द्वारा कॉफी विद जीतो 4.0' का चौथा संस्करण रविवार को आयोजित हुआ जिसमें 40 सदस्यों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने स्वयं एवं अपने व्यवसाय का परिचय प्रस्तुत किया। नॉर्थ चैप्टर के चेयरमैन विमल कटारिया ने सभी का स्वागत करते हुए सहभागिता और व्यवसायिक नेटवर्किंग को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया। महामंत्री विजय सिंघवी ने बताया कि आपसी परिचय बढ़ाना, व्यापारिक अवसरों की तलाश, जीतो के माध्यम से सामूहिक प्रगति को बढ़ावा देना, नेटवर्किंग और आपसी सहयोग को सुदृढ़ करना तथा प्रबंध कमेटी के सदस्यों से परिचय कराना प्रमुख उद्देश्य है। प्रबंध कमेटी के सदस्य अरुण नाहर ने मैट्रीमोनी योजना के बारे में जानकारी दी।

कार्यक्रम के प्रमुख वक्ता के रूप में उपस्थित केकेजी ज़ोन के पूर्व चेयरमैन अशोक सालेचा ने जीतो, जीतो सदस्य होने वाले फायदे, विभिन्न योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। पूर्व चेयरमैन इन्दरचन्द बोहरा ने अपनी जीतो यात्रा के बारे में बताया और अपने कार्यकाल के दौरान सदस्य संख्या वृद्धि, व्यापारिक मेलों का आयोजन, युवाओं के लिए मार्गदर्शन सत्रों और सामाजिक सेवा के कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों की जानकारी दी। कार्यक्रम में कोषाध्यक्ष नरेंद्र आच्छा, मंत्री अशोक भंडारी सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे। कॉफी विद जीतो के संयोजक दिनेश लोढ़ा ने सभी को धन्यवाद दिया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

योग अभ्यास

कर्नाटक मारवाड़ी समाज (केएमएस) द्वारा विश्व योग दिवस के उपलक्ष्य में रविवार को प्रातःकालीन योग सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें समाज के सदस्यों ने बड़े उत्साह और ऊर्जा के साथ भाग लिया। योग सत्र का संचालन करते हुए आनंद अग्रवाल और नीलम अग्रवाल ने विभिन्न योग अभ्यास कराए। अध्यक्ष विकाश बलोदिया, पूर्व अध्यक्ष रंजन भवासिंका, सचिव प्रभात यादुका सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

प्रकाश बंब

अभय बांठिया

बंब बने साधुमार्गी शांतक्रांति संघ के अध्यक्ष, बांठिया बने महामंत्री

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी शांतक्रांति जैन श्रावक संघ कर्नाटक की विशेष बैठक रविवार को शांतिनगर स्थित लुणावत भवन में आयोजित हुई जिसमें संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजू भूरट उपस्थित थे।

बैठक में वर्ष 2025-27 के लिए प्रकाशचंद बंब को अध्यक्ष और अभय कुमार बांठिया को महामंत्री मनोनीत किया गया। धर्मीचंद कांठेड़ को कार्याध्यक्ष, रितेश पामेचा को मंत्री तथा हितेश बोहरा को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया। नए अध्यक्ष प्रकाशचंद बंब ने अपने कार्यकारिणी सदस्यों के नामों की घोषणा की।

रमेश कोठारी

विजय बागरेचा

रमेश कोठारी बने अध्यक्ष, विजय बागरेचा बने मंत्री

आदिनाथ जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक ट्रस्ट शंकरपुरम का चुनाव निर्विरोध सम्पन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के आदिनाथ जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक ट्रस्ट शंकरपुरम की कार्यकारिणी बैठक का आयोजन आराधना भवन में किया गया जिसमें चुनाव अधिकारी नरेंद्र सिंह सामर एवं प्रकाश सिंघवी ने सभी पदों के लिए केवल एक-एक वैध नामांकन प्राप्त होने के कारण सभी प्रत्याशियों को निर्विरोध रूप से निर्वाचित घोषित किया। वर्ष 2025-28 के लिए रमेश कुमारी कोठारी ट्रस्ट के नए अध्यक्ष, मीठालाल ओस्तवाल व सुरेश पावेछा उपाध्यक्ष, विजय कुमार बागरेचा मंत्री, महेन्द्र कुमार छाजेड़ सहमंत्री, राकेश कुमार मेहता कोषाध्यक्ष, मदनराज बोहरा सहकोषाध्यक्ष नियुक्त हुए। कार्यकारिणी कमेटी में अनूप श्रीश्रीमाल, गिरीश कुमार मांडोथ, जितेन्द्र कुमार निंबजिया, कल्पेश खांटेड, किरणराज पावेछा, मंगलचंद नाहर, राकेश लूणिया, रिखबचंद बड़ोला, संदीप खांटेड़, शांतिलाल श्रीश्रीमाल व सुभाष छाजेड़ को शामिल किया गया है। वरिष्ठ सदस्यों व चुनाव अधिकारियों ने नई कमेटी को शुभकामनाएं देते हुए इस निर्विरोध चुनाव को ट्रस्ट की एकता, विश्वास और सकारात्मक नेतृत्व की मिसाल बताया।

बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के आउवा जैन महिला मंडल की मासिक संगोष्ठी अध्यक्ष कांता रायसोनी के नेतृत्व में एक रिसोर्ट में हुई जिसमें योग दिवस के उपलक्ष्य में योग व ध्यान किया गया। खेल मंत्री पद्मा चंडालिया ने मनोरंजक खेलों का आयोजन किया जिसमें सभी सदस्याओं ने भाग लिया। मंत्री पिंकी इसरानी, मंजू रायसोनी आदि सदस्याओं ने व्यवस्था संभाली।

तीर्थ यात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मैसूरु के हेल्पिंग हैंड्स कबूतर दाना टीम के सदस्यों ने रविवार को तीर्थयात्रा के तहत धर्मस्थला पहुंच कर मंजूनाथ स्वामी के दर्शन किए। इस तीर्थ यात्रा में अध्यक्ष महावीर खाबिया, सचिव आनंद पटवा, कोषाध्यक्ष राजन बाघमार, योजना निदेशक महावीर धोका तथा सुनील पटवा सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

बदलाव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जेसीआई बेंगलूरु गार्डन सिटी द्वारा बदलाव-21डे फिटनेस चैलेंज' का समापन शनिवार को हुआ जिसमें शहर के विभिन्न स्थानों पर योग, स्ट्रेंथ प्रशिक्षण, डांस फिटनेस, न्यूट्रिशन वर्कशॉप और बैडमिंटन खेल जैसे विविध सत्रों का आयोजन किया गया। इस आयोजन में अध्यक्ष कामना जैन के नेतृत्व में सचिव कमलेश भंडारी, पूर्व अध्यक्ष चेतन पोरवाल, कोषाध्यक्ष कार्तिक सोनेगरा, उपाध्यक्ष यश दुगड़, प्रोजेक्ट हेड्स कनिष्क मोदी व हर्ष जैन आदि ने व्यवस्था संभाली।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मंगलूरु में आयोजित दि डिस्ट्रिक्ट गवर्नर और सेक्रेटेरिएट ऑफ़ आरआई-1381 की ओर से डिस्ट्रिक्ट टीम लर्निंग सेमिनार का आयोजन किया जिसमें जिला गवर्नर देव आनंद ने मैसूरु रोटरी बन्नूर क्लब के पूर्व अध्यक्ष महेंद्रसिंह राजपुरोहित को 'अनसंग रोटरी एक्शन चैंपियन अवार्ड' देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर क्लब के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित थे।

ईरान के परमाणु प्रतिष्ठानों को नष्ट करने के लिए अमेरिकी बमबारी ही काफी नहीं : चीनी विशेषज्ञ

बीजिंग/भाषा। चीन की आधिकारिक मीडिया ने रविवार को ईरान के परमाणु स्थलों पर अमेरिकी बमबारी की आलोचना करते हुए इसे रसातल की ओर उठाया गया एक और कदम बताया। वहीं, चीनी विशेषज्ञों ने कहा कि हमलों में इस्तेमाल किये गए अमेरिकी 'बंकर-बस्टर' बम ईरान के भूमिगत परमाणु संयंत्रों को नष्ट करने के लिए पर्याप्त नहीं हो सकते हैं। अमेरिका ने रविवार की सुबह ईरान के फोर्दो, इस्फहान और नतांज परमाणु स्थलों पर हमला कर देश के परमाणु प्रतिष्ठानों को नष्ट कर दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी सेना ने तीन परमाणु स्थलों पर बहुत सफल हमला किया है।

चीन ने युद्ध को रोकने के लिए शनिवार को ईरान और इजराइल के बीच युद्ध विराम की अपील की थी। हालांकि, उसने अबतक अमेरिकी हवाई हमलों पर आधिकारिक रूप से प्रतिक्रिया नहीं दी है।

वहीं, सरकारी अखबार 'चाइना डेली' के संपादकीय में कहा गया है कि ईरानी परमाणु प्रतिष्ठानों को निशाना बनाकर अमेरिका द्वारा किया गया एकतरफा सैन्य हमला एक लापरवाही भरा कदम है तथा यह अंतरराष्ट्रीय कानून का खुला उल्लंघन है।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. Editor-Shreekant Parashar,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com